सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-34
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

अपने काम के प्रति ईमानदार रहो, सफलता जरूर मिलेगी।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 10 मई 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

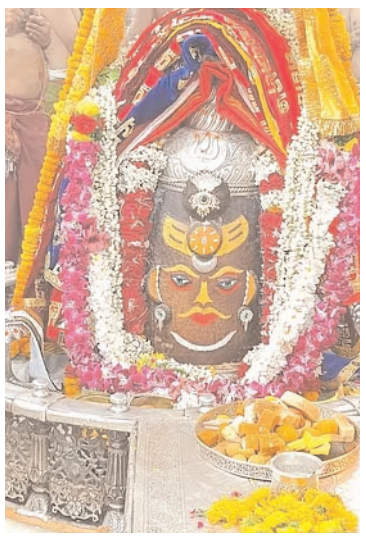

भारत-पाक तनावः सीएम मोहन यादव एक्शन में, हाई लेवल बैठक कर नागरिक सुविधाओं की सहज आपूर्ति से जुड़े सभी विभागों के लिए सीएम ने जारी किए निर्देश

मप्र में अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द

इंदौर/भोपाल। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच मध्यप्रदेश सरकार अलर्ट है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को हाई लेवल बैठक कर प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा हमारा परम धर्म है और वर्तमान हालातों को देखते हुए प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जरूरी नागरिक सेवाओं पर विशेष ध्यान दें। पुलिस, स्वास्थ्य और अन्य आपातकालीन सेवाओं को और अधिक मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। सभी विभागों को अपनी-अपनी व्यवस्थाओं को तुरंत सुदृढ़ करने और सुरक्षा के सभी आवश्यक एहतियाती कदम तत्काल प्रभाव से लागू करने के लिए कहा गया है। सीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक परिस्थितियां सामान्य नहीं हो जातीं, तब तक नागरिक सुविधाओं की सहज आपूर्ति से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी और मैदानी कर्मचारी किसी भी प्रकार के अवकाश पर नहीं जाएंगे।

सीएम डॉ. यादव ने राष्ट्र विरोधी किसी भी प्रकार के प्रचार पर कड़ी नजर रखने और उस पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। इसके साथ ही, केंद्र और राज्य सरकार के सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने के आदेश दिए गए हैं।

अधिकारी आपसी तालमेल को और बेहतर बनाएं बैठक में सुरक्षा व्यवस्थाओं, नागरिक सुविधाओं की वर्तमान स्थिति और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपसी तालमेल को और बेहतर बनाने के लिए कहा ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

सीएम ने कहा- सेना जैसा अनुशासन और सतर्कता चाहिए बैठक के दौरान सीएम डॉ. यादव ने कहा कि दुश्मन देश की हर हरकत का जवाब देने के लिए भारत पूरी तरह तैयार है। राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करे और हर नागरिक को सुरक्षा का भरोसा दे। उन्होंने सभी विभागों से कहा कि आपसी समन्वय मजबूत करें, आपदा प्रबंधन को अपडेट करें, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाएं और सभी जिलों में कंट्रोल रूम एक्टिव रखें। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव गृह जेएन कंसोटिया, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, एडीजी इंटेलिजेंस ए. साईं मनोहर, डीजी होमगार्ड अरविंद कुमार, सैन्य अधिकारी और सभी विभागों के प्रमुख सचिव व सचिव स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे।

छुट्टी पर गए पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर लौटने को कहा भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात के बीच मध्यप्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी गई है। साथ ही, जो पुलिसकर्मी पहले से छुट्टी पर हैं, उन्हें भी तुरंत अपनी ड्यूटी पर लौटने को कहा गया है। पुलिस मुख्यालय ने हर गांव में गश्त बढ़ाने और स्थानीय लोगों को सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं के बारे में सचेत करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। राज्य में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए यह कदम उठाया गया है।

इंदौर में 4 जुलाई तक सभी आयोजनों पर प्रतिबंध भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात के बीच इंदौर में पुलिस ने सभी आयोजनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है, जो 4 जुलाई 2025 तक लागू रहेगा। यदि आयोजन जरूरी है तो इसके लिए विधिवत सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त करना होगी। आदेश में कहा गया है कि इंदौर नगरीय सीमा में कोई भी धार्मिक संस्था, राजनीतिक संगठन, अन्य समूह जैसे वेतन भोगी, शासकीय कर्मचारी आदि संगठन कोई आयोजन नहीं कर सकेंगे। इसके लिए विधिवत सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त करना होगी। सभी प्रकार के जुलूस, धरना प्रदर्शन, धार्मिक आयोजन, विवाह आयोजन, जन्म दिवस आयोजन आदि में किसी भी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र अथवा विस्फोटक सामग्री का उपयोग व रखरखाव किया जाना भी प्रतिबंधित होगा। ऐसे जनसमूह जो एकत्रित होकर सार्वजनिक स्थानों पर यातायात बाधित कर आवागमन प्रभावित कर कानून व्यवस्था एवं लोक शांति भंग करते हैं, प्रतिबंधित होंगे। किसी भवन, सार्वजनिक स्थान एवं निजी स्थान पर एवं ऐसी किसी भी वस्तु जिससे किसी जन सामान्य को खतरा महसूस हो एवं आपत्तिजनक हथियार, अस्त्र-शस्त्र, विस्फोटक सामग्री का संधारण प्रतिबंधित होगा।

इंदौर में कायम रहेगा मॉकड्रिल सिस्टम, नहीं हटाए सायरन केंद्र सरकार के निर्देश पर इंदौर में सात मई को मॉकड्रिल और ब्लैक आउट हुआ, लेकिन शहर में उसका सिस्टम लंबे समय के लिए स्थाई रूप से कायम रहेगा, ताकि भविष्य में ब्लैक आउट के हालातों के दौरान वह सक्रिय रह सके। इंदौर में आपदा प्रबंधन के कामों के कामों की अफसरों ने समीक्षा की है। देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में युद्ध जैसे हालात हैं। इंदौर देश के मध्य हिस्से में है। इंदौर के समीप सैन्य छावनी महू और कैट जैसे संस्थान हैं। इस कारण यहां भी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इंदौर में फिलहाल 12 स्थानों पर सायरन की व्यवस्था की गई है। इसके दायरा बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि 7 मई को शहर के कई स्थानों पर सायरन की आवाज सुनाई नहीं दी थी। कलेक्टर आशीष सिंह कह चुके हैं सात मई को जो ब्लैक आउट किया गया था, उसकी समीक्षा भी की गई है। वैसे तो शहर के ज्यादातर हिस्सों में मॉकड्रिल के प्रोटोकाल का पालन किया गया, लेकिन जिन क्षेत्रों में रोशनी नजर आई। वहां अगली मॉकड्रिल में बिजली गुल की जाएगी। पहली मॉकड्रिल में स्वेच्छा से शहरवासियों को लाइट बंद करने के लिए कहा गया था। उधर, नगर निगम भी इंदौर में आपदा सेल गठित करने की तैयारी कर चुका है। वार्ड स्तर पर रहवासियों को आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग दी जाएगी।

इंदौर एयरपोर्ट पर अब डबल सिक्योरिटी चेकिंग भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनावपूर्ण हालात के मद्देनजर इंदौर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। इंदौर के देवी अहिल्या बाई होलकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने निगरानी व्यवस्था और अधिक सख्त कर दी है। अब एयरपोर्ट पर डबल सिक्योरिटी चेकिंग की जा रही है। इसके साथ ही, एयरपोर्ट में प्रवेश करने वाली सभी गाड़ियों की जांच का जिम्मा स्थानीय पुलिस को सौंपा गया है, जो एयरपोर्ट के बाहर एंट्री गेट पर वाहनों की गहन जांच कर रही है। यात्रियों को दो बार सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ रहा है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, सीआईएसएफ अब एयरपोर्ट की बाउंड्रीवॉल की 24 घंटे निगरानी कर रही है। पहले यह निगरानी केवल रात में होती थी, लेकिन अब इसे दिन में भी लागू कर दिया गया है। हालांकि, इंदौर से संचालित होने वाली सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स अपने निर्धारित समय पर उड़ान भर रही हैं। देश के कुछ एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद किया गया है, और उन्हीं मार्गों की उड़ानें रद्द की गई हैं। इंदौर से उड़ने वाली फ्लाइट्स पर इसका सीधा असर नहीं पड़ा है।

टूरिस्ट फ्लाइट्स पर असर, रद्द हो रही हैं यात्राएं एयरलाइंस कंपनियों के प्रतिनिधियों का कहना है कि जिन यात्रियों की फ्लाइट रद्द हुई है, उन्हें रि-बुकिंग और रिफंड का विकल्प दिया जा रहा है। वहीं, इंदौर से चलने वाली फ्लाइट्स की संख्या में भी गिरावट देखने को मिल रही है। यात्रियों में असमंजस के कारण कई लोगों ने अपने आगामी टूर रद्द कर दिए हैं, जिससे होटल और ट्रैवल एजेंसी की बुकिंग्स भी प्रभावित हो रही हैं। यात्रा संबंधी अनिश्चितता के चलते फ्लाइट टिकट कैंसिलेशन की संख्या में इजाफा हुआ है।

इंदौर से जोधपुर, जम्मू और चंडीगढ़ की फ्लाइटें रद्द गुरुवार को इंदौर से चंडीगढ़ के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट रद्द रही। जोधपुर और जम्मू के लिए पहले से ही 10 मई तक की सभी उड़ानें निलंबित की जा चुकी हैं। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन इन दोनों शहरों की फ्लाइटें रद्द रहीं। बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर के 16 शहरों में हवाईअड्डों को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया गया है। इसी क्रम में इंदौर से जोधपुर, जम्मू और चंडीगढ़ के लिए जाने वाली उड़ानें भी 10 मई तक रद्द रहेंगी।

ड्राइवर और कंडक्टरों की छुट्टियां भी निरस्त पाकिस्तान से युद्ध जैसे हालात के बीच मप्र के सभी ट्रक ड्राइवरों और कंडक्टरों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरे देश में राष्ट्रभक्ति की लहर दौड़ गई है। इस साहसिक एयर स्ट्राइक का समर्थन न सिर्फ सत्तारूढ़ दल कर रहा है, बल्कि विपक्षी दलों और आम जनता ने भी सेना की वीरता की सराहना की है। इसी उत्साह और समर्थन की भावना के तहत इंदौर ट्रक ऑपरेटर्स एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने एक सराहनीय पहल करते हुए अपनी सेवाएं देश के नाम करने का ऐलान किया है। ट्रक ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर प्रस्ताव दिया है कि वे सेना के ट्रांसपोर्ट कार्यों में सहायता के लिए अपने ट्रकों को उपलब्ध कराना चाहते हैं। संगठन ने 8 मई को इस आशय का पत्र जारी किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सी.एल. मुकाती ने जानकारी दी कि प्रदेश भर के लगभग साढ़े सात लाख ट्रक सेना की सेवा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सीएल मुकाती ने बताया कि कारगिल युद्ध के दौरान भी संगठन ने एक हजार ट्रक सेना को दिए थे और अब भी यदि आवश्यकता पड़ी तो साढ़े सात लाख ट्रक और उनके चालक तथा परिचालक हर समय सेवा में तत्पर रहेंगे। एसोसिएशन ने यह भी निर्णय लिया है कि ट्रक चालकों और कंडक्टरों की सभी छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। संगठन ने स्पष्ट किया है कि वे 24 घंटे किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा बढ़ी, खास बुलेटप्रूफ शील्ड का होगा इस्तेमाल

भोपाल। भारत-पाक के बीच जंग को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। प्रदेश में हाई अलर्ट की स्थिति को देखते हुए उनकी सुरक्षा में अब पोर्टेबल फोल्डआउट बैलिस्टिक शील्ड जैसी उन्नत तकनीक को शामिल किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों की संख्या में भी बढ़ोतरी की गई है। यह खास बुलेटप्रूफ शील्ड किसी भी खतरे की स्थिति में तेजी से खोली जा सकती है और व्यक्ति को सामने से सुरक्षा कवच प्रदान करती है। इसे हमले की आशंका पर सुरक्षाकर्मी झटके से खोलते हैं, जिससे यह तुरंत फोल्ड होकर रक्षा कवच में बदल जाती है। दरअसल पोर्टेबल बुलेट प्रूफ शील्ड या पोर्टेबल फोल्ड आउट बैलिस्टिक शील्ड होती है। जिसे हमले के दौरान खोला जा सकता है। सुरक्षा बलों को किसी भी खतरे या संदिग्ध गतिविधि का अंदेशा होता है तो वे बचाव के लिए उस शील्ड को नीचे की ओर झटका देते हैं। इससे वह शील्ड खुल जाती है और व्यक्ति को कवर कर लेती है।

देश की पहली भूमिगत जल संग्रह परियोजना

आज मप्र-महाराष्ट्र ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज प्रोजेक्ट के एमओयू साइन करेंगे

भोपाल। ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज प्रोजेक्ट के रूप में भारत में पहली बार ऐसा जल प्रबंधन मॉडल आकार ले रहा है, जो न सिर्फ तकनीकी दृष्टि से अनूठा है, बल्कि इसके जरिए दो राज्यों मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के लाखों किसानों को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलने जा रही है। शनिवार को भोपाल में इस परियोजना को लेकर दोनों राज्यों के बीच एमओयू साइन किया जाएगा। इस अवसर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस भोपाल आएंगे और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बैठक करेंगे। दोनों राज्यों के एमओयू के बाद केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करेगा। करीब 20,000 करोड़ रुपए की लागत वाली यह परियोजना ताप्ती नदी के बाढ़ के पानी को दो चट्टानों के बीच स्थित 250 वर्ग किमी के प्राकृतिक बजाड़ा जोन में भूमिगत स्टोर करेगी। यह भू-वैज्ञानिक संरचना जल संरक्षण के लिए उपयुक्त मानी जाती है और इससे 50 किलोमीटर के दायरे में हर साल भूजल स्तर में लगभग 2 मीटर तक वृद्धि संभव होगी।ताप्ती नदी के बाढ़ के पानी को बुरहानपुर और जलगांव के बीच चोपड़ा क्षेत्र में एक छोटा बांध बनाकर ताप्ती नदी को तीन धाराओं में विभाजित किया जाएगा, जिससे निकली नहरें मप्र के दो जिलो की चार तहसीलों और महाराष्ट्र के चार जिलों की 12 तहसीलो यानी कुल 16 तहसीलों तक जल पहुंचाएंगी। इन नहरों के माध्यम से मध्यप्रदेश की 1.33 लाख हेक्टेयर और महाराष्ट्र की 2.34 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा।परियोजना के तहत कोई भूमि अधिग्रहण या पुनर्वास नहीं होगा, जिससे केंद्र सरकार द्वारा 100% फंडिंग की संभावना जताई जा रही है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह मॉडल राष्ट्रीय जल परियोजनाओं के लिए एक नई मिसाल साबित हो सकता है। ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज प्रोजेक्ट को केन-बेतवा और पीकेसी लिंक परियोजनाओं की तरह राष्ट्रीय परियोजना घोषित किए जाने की संभावना है, जिससे केंद्र की स्वीकृति के बाद इसके क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सकेगी।

सतना में बदमाश की गोली से घायल हेड कॉन्स्टेबल का दिल्ली में निधन

सतना। मप्र के सतना जिले के जैतवारा थाना परिसर में हुए सनसनीखेज गोलीकांड ने पुलिस महकमे को झकझोर कर रख दिया। थाने की बैरक में घुसकर हेड कॉन्स्टेबल प्रिंस गर्ग को गोली मारने वाले सिरफिरे आरोपी आदर्श उर्फ अच्छू शर्मा को पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया। पर इलाज के दौरान घायल प्रिंस गर्ग ने शुक्रवार सुबह 8 बजे दिल्ली के मैक्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। गोली उनके कॉलर बोन के पास लगी थी। प्रिंस को एयर एंबुलेंस के जरिए 7 मई को दिल्ली ले जाया गया था, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका है। मामला 30 अप्रैल देर रात जैतवारा थाने का है। यहां जैतवारा थाना परिसर में बैरक में रह रहे हेड कॉन्स्टेबल प्रिंस गर्ग ड्यूटी से फुरसत होकर खाना खाने की तैयारी कर रहे थे। तभी कोई आवाज सुनकर वे बाहर निकले यहां नकाब पहने आरोपी आदर्श शर्मा पहले से घात लगाए खड़ा था। हेड कॉन्स्टेबल प्रिंस गर्ग के बाहर आते ही आरोपी युवक ने कट्टे से उस पर फायर कर दिया और मौके से फरार हो गया था।इस हमले में उन्हे गंभीर चोटें आईं। हेड कॉन्स्टेबल प्रिंस को पहले संजय गांधी अस्पताल रीवा फिर निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 7 मई को स्वास्थ्य बिगड़ने पर रात 1:20 बजे पीएम एयर एंबुलेंस से उन्हें दिल्ली एयर लिफ्ट किया गया था। इलाज के दौरान शुक्रवार को उनकी मौत हो गई है। उनके निधन की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है

आईपीएल 2025 का सत्र एक हफ्ते के लिए स्थगित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया है। बीसीसीआई ने तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 का सत्र बीच में ही एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि फिलहाल लीग को एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया है। इसके बाद हम हालात का जायजा लेंगे और फैसला करेंगे। इसके लिए बोर्ड अलग से कार्यक्रम जारी करेगा। लीग के लिए विंडो को लेकर पूछ गए सवाल में उन्होंने कहा कि सभी बोर्ड हमारा समर्थन करते हैं। ऐसे में विंडो कोई चिंता की बात नहीं है। विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर उन्होंने कहा कि यह उनका निजी फैसला होगा, वो खुद ही इस पर फैसला लेंगे। इससे पहले आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने गुरुवार रात बताया था कि मौजूदा स्थिति में आईपीएल का 18वां सत्र जारी रहेगा, लेकिन अब बोर्ड में इसे स्थगित करने का फैसला किया है। इससे पहले, धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया मुकाबला रद्द कर दिया गया था। फ्लड लाइट्स में खराबी के कारण मैच को रोका गया था और दर्शकों तथा खिलाड़ियों को मैदान से बाहर ले जाया गया था। बीसीसीआई ने बताया था कि धर्मशाला में तकीनी खामी के चलते मैच रद्द किया गया है। हालांकि, गुरुवार से ही आईपीएल 2025 को लेकर संशय चल रहा था।

मसूद अजहर के भाई की मौत

अब्दुल रऊफ अजहर के मारे जाने पर यूएस डिप्लोमैट्स बोले- थैंक्यू इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय हमलों में पाकिस्तान के अंदर बैठा खूंखार आतंकी अब्दुल रऊफ अजहर मारा गया है। यह आतंकी मसूद अजहर का भाई भी है, जो आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का सरगना है। अब्दुल अजहर ही जैश की कमान संभालता था और लंबे समय से सीनियर कमांडर था। कंधार विमान अपहरण कांड में मसूद अजहर को छोड़ना पड़ा था और उसने ही मुंबई आतंकी हमलों की साजिश रची थी। ऐसे में उसके भाई का मारा जाना भारत के एक दुश्मन के खत्म होने जैसा है। यही नहीं अमेरिकियों ने भी इस आतंकी के कत्ल पर भारत को थैंक्यू बोला है। अमेरिका के टॉप डिप्लोमैट्स ने अब्दुल रऊफ अजहर को मार गिराने पर टिप्पणी की है। हालांकि अब तक रऊफ के मारे जाने की पुष्टि नहीं हुई है। अब्दुल रऊफ अजहर वह आतंकी है, जिसने यहूदी पत्रकार डेनियल पर्ल की 2002 में सिर कलम कर हत्या कर दी थी। यह वीभत्स हत्याकांड पूरी दुनिया में

चर्चित हुआ था। अफगानिस्तान और इराक में अमेरिका के पूर्व राजदूत एवं संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि जालमे खलीलजाद ने कहा अब्दुल रऊफ अजहर के मारे जाने पर भारत को थैंक्यू बोला है। उन्होंने एक्स पर लिखी पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई के दौरान भारत ने क्रूर आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर का कत्ल कर दिया है। उसने 2002 में पत्रकार डेनियल पर्ल का कत्ल किया था, जो आज तक सबको याद है। न्याय हुआ है। थैंक्यू इंडिया। अमेरिका की एक और डिप्लोमैट एली कोहैनिम ने भी पोस्ट किया है और भारत के पीएमओ को टैग करते हुए थैंक्यू बोला है। उन्होंने लिखा- लंबे समय से हमें डेनियल पर्ल के लिए न्याय का इंतजार था। उन्हें बेरहमी से कत्ल किया गया था। मैं निजी तौर पर पीएमओ इंडिया के प्रति आभारी हूं। डेनियल पर्ल के आखिरी शब्द हमें हमेशा याद रहेंगे। उन्होंने कहा था- मेरा पिता यहूदी थे, मेरी मां यहूदी है और मैं भी यहूदी हूं। उनके ये शब्द यहूदी इतिहास में हजारों साल तक सुनाई देते रहेंगे। इस तरह मसूद अजहर के भाई को मार गिराने पर अमेरिका ने जमकर तारीफ की है।

बलूच लिबरेशन आर्मी का पाक सेना पर हमला

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बलूचिस्तान की स्वतंत्रता का हुआ ऐलान

क्वेटा। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच प्रसिद्ध बलूच लेखक और कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने पाकिस्तान से बलूचिस्तान की स्वतंत्रता का ऐलान किया है और भारत सरकार से नई दिल्ली में बलूच दूतावास खोलने की अनुमति मांगी है। मीर यार बलूच को बलूच लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाना जाता है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्टों के जरिये यह घोषणा की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाकिस्तान की सेना को क्षेत्र छोड़ने का आग्रह किया। यह बयान तब आया जब भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया झड़पों ने गंभीर रूप ले लिया है। इस बीच मीर यार बलूच ने दावा किया कि बलूच स्वतंत्रता सेनानियों ने डेरा बुगती में पाकिस्तान के गैस क्षेत्रों पर हमला किया, जहां 100 से अधिक गैस कुएं स्थित हैं। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, हमने अपनी स्वतंत्रता का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान के पतन की घड़ी निकट है। हम भारत से अनुरोध करते हैं कि बलूचिस्तान को नई दिल्ली में अपना आधिकारिक कार्यालय और दूतावास खोलने की अनुमति दी जाए। बता दें कि 7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी ठिकानों पर निशाना साधा।

'लव जिहाद' का एक और केस... जुल्म की सारी हदें पार, महिला ने सुनाई खौफनाक कहानी

युवती से निकाह फिर धर्म बदलवाया और जंजीरों में बांधकर मारा-पीटा

इंदौर। महू की एक महिला ने कई सालों तक जुल्म सहने के बाद चुप्पी तोड़ी है। उसने जो दर्द उजागर किया है वह झकझोरने वाला है। लड़की ने बताया है कि किस तरह पहले 'बहन' कहकर उससे दोस्ती की गई, धोखे से रेप किया गया, पहले शादी और फिर निकाह किया गया। फिर धर्म बदलवा गया और जंजीरों में बांधकर उसे मारा-पीटा जाता रहा। उस पर जुल्म की सारी हदें पार कर दी गईं। अब पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

28 साल की युवती की शिकायत पर महू पुलिस ने संजय खान पिता बाबू खान, नाहरु खान, शेरो बी पति बाबू खान, बाबू खान पिता अहमद खान चारों निवासी आलोट जिला रतलाम और राज खान निवासी दावतखेड़ी मंदसौर के खिलाफ दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन सहित आधा से ज्यादा धाराओं में केस दर्ज किया है। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि वह 2013 में राऊ स्थित एक निजी कंपनी में काम करती थी। वहीं पर उसकी मुलाकात संजय से हुई थी। तब उसने अपना पूरा नाम संजय कुमावत बताया था।

पीड़िता ने कहा कि हमारे बीच दोस्ती होने के बाद हम बात करने लगे। वह मुझे बहन कहकर पुकारता था। एक दिन मेरी तबियत खराब हो गई थी वह मुझसे मिलने मेरे रूम पर आया और नाश्ता कराने के बहाने कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। मेरे बेसुध होने पर दुष्कर्म किया। होश आया और विरोध किया तो बोला तेरी वीडियो और फोटो खींच लिए हैं। डर के मारे किसी को घटना नहीं बताई। वह शादी के लिए खजराना मंदिर ले गया। वहां मांग में सिंदूर भरी और माला पहना दी गई। बाद में मंदसौर, कोटा और भवानी मंडी जैसे अलग-अलग स्थानों पर रखा। कोटा में एक मौलाना की मौजूदगी में निकाह पढ़वाया गया। यहां विरोध करने पर बेरहमी से पीटा गया। उस समय मैं गर्भवती भी थी।

संजय कुमावत बनकर की दोस्ती

महिला ने इन पांच लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने रेप, ब्लैकमेलिंग, धर्म परिवर्तन और लव जिहाद जैसे आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि उसे जबरदस्ती धर्म बदलने की कोशिश की गई। उसे कलमा पढ़ने और

इस्लामी रीति-रिवाजों को मानने के लिए मजबूर किया गया। महिला ने 2013 में संजय कुमावत से दोस्ती की थी। आरोप है कि संजय ने उसे नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और फिर उसे ब्लैकमेल किया। बाद में संजय ने उसे जबरदस्ती निकाह करने पर मजबूर किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी कहानी 2013 में शुरू हुई थी। वह राउ में अल्फा मेडिकैप्स नाम की कंपनी में काम करती थी। वहीं पर उसकी मुलाकात संजय कुमावत से हुई। धीरे-धीरे दोनों दोस्त बन गए। एक दिन संजय उसके घर आया। उसने कोल्ड ड्रिंक में कुछ नशीला पदार्थ मिला दिया। उसे पीने के बाद महिला बेहोश हो गई। महिला का आरोप है कि जब उसे होश आया तो उसने पाया कि संजय ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। उसने संजय का विरोध किया। इस पर संजय ने उसे धमकी दी कि वह उसकी आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल कर देगा।

खजराना मंदिर में शादी की रस्में निभाई, फिर निकाह

महिला ने बताया कि संजय ने उसे शादी का झांसा दिया। वह उसे खजराना मंदिर ले गया। वहां उसने सिंदूर भरकर शादी की रस्में पूरी कीं। लेकिन बाद में वह उसे मंदसौर और भिवानी मंडी ले गया। वहां उसके परिवार और रिश्तेदारों ने मिलकर उसे जबरदस्ती निकाह करने पर मजबूर किया। पीड़िता का कहना है कि मौलाना की मौजूदगी में उससे जबरदस्ती कलमा पढ़वाया गया। उससे निकाहनामे पर साइन कराए गए। महिला ने आरोप लगाया कि निकाह के बाद उसे भिवानी मंडी में एक कमरे में बंद कर दिया गया। वहां उसे जबरदस्ती इस्लामी रीति-रिवाज सिखाए गए। उसे गौमांस खाने के लिए मजबूर किया गया। विरोध करने पर उसे बेरहमी से पीटा गया। उसे और उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दी गई।

जंजीरों से बांधकर रखा, पढ़वाते थ कलमा

पीड़िता ने शिकायत में कहा है कि शादी के बाद उसे रोजाना कलमा पढ़वाया जाता था। जबरन गोमांस खिलाया जाता था। जंजीरों से बांधकर कमरे में बंद रखा गया। एक बार भागने की कोशिश की तो पकड़कर इतना पीटा की अधमरी हो गई। तीन दिन तक खाना-पानी नहीं दिया।

बेटे का नाम जुनैद और बेटी का नाम जोया रखा

महिला ने बताया कि जब उसका बेटा पैदा हुआ तो उसने हिंदू नाम रखने की इच्छा जताई। लेकिन संजय और उसके परिवार ने उसका नाम जुनैद रखा। उसका खतना भी करवा दिया गया। इसी तरह, बेटी के जन्म पर भी उसका नाम जोया रखा गया। उसे इस्लामी रीति-रिवाजों का पालन करने पर मजबूर किया गया।

हिंदू लड़कियों को फंसाकर करते हैं शोषण

महिला का आरोप है कि संजय और उसका दोस्त नाहरू खान कई हिंदू लड़कियों को इसी तरह फंसाते हैं और उनका शोषण करते हैं। महिला ने जब इसका विरोध किया तो उसे बंदूक की नोक पर धमकाया गया। उसे कहा गया कि यदि उसने कुछ कहा तो उसे और उसके बच्चों को जान से मार दिया जाएगा।

घटना की जानकारी मिलने पर मानसिंह राजावत समेत हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता भी थाने पहुंचे।

उन्होंने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। हिंदूवादी संगठनों ने कहा कि वे इस मामले को लेकर चुप नहीं बैठेंगे। वे पीड़िता को न्याय दिलाकर रहेंगे।

भवंस स्कूल के चेयरमैन पर पत्नी ने दर्ज कराया लव जिहाद का केस

नमाज पढ़ने और इस्लाम कबूल करने का दबाव बनाने का आरोप

इंदौर। इंदौर के भवन प्रॉमिनेंट स्कूल के संचालक समीर मीर के खिलाफ एमआईजी थाना पुलिस ने लव जिहाद का केस दर्ज किया है। शिकायत करने वाला कोई दूसरा नहीं बल्कि उसकी पत्नी है, जिसके साथ दस साल पहले शादी हुई थी। महिला ने कहा कि समीर ने उस पर धर्म बदलने का दबाव बनाया और मानसिक प्रताड़ना भी दी। उनसे बताया कि उसकी शादी समीर के साथ हिन्दू रीति रिवाजों से हुई थी। तब समीर ने खुद को ब्राम्हण समाज का बताया था। एमआईजी पुलिस ने महिला की शिकायत पर गुरुवार रात में मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोपी समीर मीर की पत्नी ने उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने, धमकी देने और घरेलू उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। तुलसी नगर निवासी पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी समीर मीर से साल 2006 में हिंदू रीति-रिवाजों से हुई थी। शादी के बाद उनके दो बच्चे (एक बेटा और एक बेटी) हैं। पीड़िता के मुताबिक करीब 4 साल पहले समीर के व्यवहार में बदलाव आने लगा। वह नमाज पढ़ने लगे और उन्होंने अपना पहनावा भी पूरी तरह बदल लिया। इसके बाद उन्होंने मुझ पर भी नमाज पढ़ने और इस्लाम कबूल करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। समीर पर घर में रखी हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां फेंकने का भी आरोप है।

समीर मीर, आरोपी

2020 में घर से निकाल दिया

पीड़िता का आरोप है कि जब उसने समीर की बात नहीं मानी, तो साल 2020 में उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद वह निपानिया इलाके में रहने लगी। पीड़िता का कहना है कि समीर कई बार उससे मिलने आया और हर बार इस्लाम कबूलने का दबाव बनाया। साल 2024 में दोनों के बीच एक बार समझौता भी हुआ, इसलिए पुलिस में इसकी शिकायत नहीं की। लेकिन बाद में समीर ने धर्म परिवर्तन को उसकी शर्त बना दिया, जिसे पीड़िता ने अस्वीकार कर दिया।

समीर ने घर जाकर दी धमकी

पीड़िता का आरोप है कि 13 मार्च 2025 को समीर ने फिर से उनके घर जाकर धमकी दी। इसके बाद दोनों के बीच लगातार विवाद होते रहे। जिससे परेशान होकर पीड़िता ने गुरुवार रात एमआईजी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने समीर मीर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(3) एवं मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3/5 के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को शादी के दौरान के फोटोग्राफ भी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किए, जिनमें कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और राजनीतिक नेता भी उपस्थित थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने देर रात एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

युवती ने बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल से छलांग लगाकर दी जान

इंदौर। इंदौर के एलआईजी क्षेत्र की एक बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल से कूदकर एक युवती ने आत्महत्या कर ली। वह यहां एक फ्लैट में किराए से रहती थी और इंदौर की एक कंपनी में नौकरी करती थी, लेकिन कुछ दिनों पहले उसने जॉब छोड़ दी थी। आत्महत्या के एक घंटे पहले युवती से उसका दोस्त मिलने आया था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है, ताकि आत्महत्या की वजह पता चल सके। बताते है कि आत्महत्या करने से पहले युवती ने शराब का सेवन भी किया था।

एमआईजी थाने के पीछे जे-9 बिल्डिंग में प्रमिता गढवाल तीसरी मंजिल के फ्लैट में रहती थी। उसने तीन साल पहले यह फ्लैट किराए पर लिया था। प्रमिता से रात को उसका दोस्त अक्सर मिलने आता था। गुरुवार रात को भी वह उससे मिलने आया और कुछ देर बाद चला गया। इसके बाद प्रमिता चौथे माले की छत पर बैठी नजर आई। वह काफी देर तक वहां बैठी रही और फिर उसने छलांग लगा दी। इमारत के चौकीदार ने उसे गिरते हुए देखा और अन्य लोगों को जानकारी दी। युवती को इलाज के लिए निजी अस्पताल में ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बाद में आत्महत्या की सूचना रहवासियों ने पुलिस को दी।

नहीं मिला सुसाइड नोट

पुलिस ने उसका फ्लैट की जांच भी की, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने प्रमिता का मोबाइल जांच के लिए जब्त किया है। उसके फ्लैट पर आने वाले दोस्त से भी पुलिस पूछताछ करेगी, ताकि आत्महत्या के कारणों का पता चल सके। आसपास के लोगों ने बताया कि नौकरी छूटने के बाद से ही वह तनाव में थी। वह इंदौर में पढ़ाई करने के लिए आई थी। बाद में वह यहां नौकरी करने लगी थी।

बिल्डिंग के लोगों ने यह बताया पुलिस को

पुलिस ने कहा कि बिल्डिंग के लोगों ने पूछताछ में बताया कि कुछ समय पहले प्रमिता ने निजी कंपनी की जॉब छोड़ी थी। वह यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। प्रमिता से उसका दोस्त तन्मय अक्सर मिलने आता था। वह गुरुवार को भी अपनी एसयूवी कार से प्रमिता से मिलने आया था। करीब 5 बजे वापस चला गया था।

पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग की छत पर चौकीदार आनंद का परिवार भी रहता है। उसकी पत्नी अपने कमरे में थी। फ्लैट नंबर 203 में रहने वाली रेशमा भी छत पर मोबाइल से बात कर रही थी। वहीं प्रमिता भी बैठी थी। कुछ देर बाद चौकीदार की पत्नी को आवाज आई। उसने देखा तो प्रमिता छत पर नहीं दिखी। उसने चौकीदार आनंद को कॉल किया। चौकीदार ने देखा तो प्रमिता जमीन पर पड़ी थी। आसपास खून बह रहा था।

सुसाइड से पहले पिता से कॉल पर बात की

पुलिस के मुताबिक प्रमिता ने सुसाइड करने से पहले रात करीब साढ़े 8 बजे पिता से बात की थी। उस समय वह तनाव में थी पर पिता को पता नहीं चला। वह सामान्य बातें कर रही थी। प्रमिता के पिता वीतरंग गढ़वाल निजी कंपनी में काम करते हैं। देर रात बेटी के मोबाइल से ही पुलिस ने उन्हें जानकारी दी। एसीपी सोनू डाबर ने कहा- प्रमिता उमरिया जिले की रहने वाली थी। उसके परिवार से संपर्क किया गया है। तन्मय की जानकारी जुटाई जा रही है। अभी घटना के पीछे किसी तरह का कारण सामने नहीं आया है।

बनारसी तड़का रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, दो कर्मचारी झुलसे

इंदौर। इंदौर के एमआईजी थाना क्षेत्र स्थित पाटनीपुरा इलाके में शुक्रवार दोपहर एक रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। 'बनारसी तड़का' नामक इस रेस्टोरेंट में भट्टी से उठी लपटें सीधे गैस सिलेंडर की नली तक जा पहुंचीं, जिससे आग तेजी से फैल गई। आग बुझाने की कोशिश में दो कर्मचारी झुलस गए, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरा रेस्टोरेंट जलकर खाक हो चुका था। रेस्टोरेंट संचालक अमन गुप्ता के मुताबिक, दोपहर के समय रसोई में अचानक भट्टी में आग भड़क गई। लपटें इतनी तेज थीं कि उन्होंने पास रखे सिलेंडर की पाइप को भी चपेट में ले लिया। इस दौरान वहां मौजूद कर्मचारी सन्नी पांचाल और राजू पांचाल ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वह खुद झुलस गए। दोनों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है। आग पर काबू पाने की कोशिश में अन्य तीन कर्मचारी भी बाहर की ओर भागे। आग की सूचना मिलते ही आसपास के रहवासी और दुकानदार भी मदद के लिए पहुंच गए और पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और दो टैंक पानी डालकर आग पर काबू पाया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट या गैस रिसाव की आशंका जताई जा रही है। रेस्टोरेंट पूरी तरह जल चुका है और लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान है।

मिस्त्री ने फांसी लगाकर जान दे दी जान ससुराल के लोगों ने बहन को जानकारी

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी में रहने वाले एक मिस्त्री ने फांसी लगाकर जान दे दी। देर रात उसके ससुराल के लोगों ने मिस्त्री की बहन और जीजा को जानकारी दी। बहन का आरोप है कि पत्नी आए दिन विवाद करती थी। उन्होंने चेहरे पर मारपीट के निशान होने की बात कही है। मौत के बाद ससुराल पक्ष के लोग शव जिला अस्पताल में छोड़कर चले गए। द्वारकापुरी इलाके में रहने वाले अजय पुत्र दयाराम मोरे को देर रात करीब 11 बजे बाइक से ससुराल पक्ष के लोग जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि की। रात करीब 2 बजे पत्नी रेखा ने अजय की बहन सुनीता को कॉल कर बताया कि पति ने फांसी लगा ली। इसके बाद परिजन घर पहुंचे तो वहां ताला लगा मिला। मोबाइल पर बात करने पर पता चला कि रेखा दो बेटियों को लेकर मायके चली गई है। बहन सुनीता पाटिल ने आरोप लगाया है कि पत्नी रेखा उनके भाई से आए दिन विवाद करती थी। वह उसे ठीक से खाना पीना भी नहीं देती थी। उसके चेहरे पर चोट के निशान हैं। वहीं दोनों पैर पर भी चोट के निशान हैं। बताया जाता है कि फांसी के बाद अजय को बाइक पर बीच में बैठाकर अस्पताल लेकर आया गया था। जिसमें उसके पैर सड़क पर घिसटा गए। जिससे उसके पैरों पर निशान बने हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जिसमें मृतक की बहन के आरोपों को भी शामिल किया है।

इंदौर में अनोखा हरियाली मिशन...घर की छत पर उगेंगे दुर्लभ प्रजाती के पेड़-पौधे

इंदौर। इंदौर से एक अनोखी और सराहनीय पहल की शुरूआत हुई है, जिसका उद्देश्य तेजी से विलुप्त हो रही दुर्लभ प्रजातियों के पेड़-पौधों और जड़ी-बूटियों को फिर से संरक्षित और विकसित करना है। इस नवाचार की अगुवाई इंदौर वन विभाग और पर्यावरण वानिकी विभाग कर रहे हैं। इंदौर सहित मध्यप्रदेश की 58 दुर्लभ प्रजातियों को फिर से तैयार करने की इस मुहिम में होलकर कॉलेज के युवा विद्यार्थियों को भी जोड़ा गया है, ताकि नई पीढ़ी इन वनस्पतियों के महत्व को समझ सके और संरक्षण में सहभागी बन सके।

वन परिक्षेत्र अधिकारी कौशाम्बी झा के अनुसार, इंदौर समेत मध्यप्रदेश में लुप्त हो रही दुर्लभ प्रजातियों में 29 प्रकार के पेड़, 14 किस्म की जड़ी-बूटियाँ, 4 प्रकार की झाड़ीनुमा वनस्पतियाँ और 11 प्रकार की औषधीय बेलों को शामिल किया गया है। ये सभी

प्रजातियाँ न सिर्फ मानव जीवन और आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोगी हैं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन में भी अहम भूमिका निभाती हैं। आधुनिक जीवनशैली, समय के बदलाव और जागरूकता की कमी के कारण यह बेशकीमती जैविक विरासत धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है।

लोगों को किया जा रहा प्रोत्साहित

इस परियोजना के अंतर्गत लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे इन दुर्लभ वनस्पतियों को अपने घरों, छतों के गमलों या बगीचों में लगाएं। इससे न केवल इन प्रजातियों का संरक्षण संभव होगा, बल्कि आसपास का वातावरण भी हरियाली से भर जाएगा। पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है। खास बात यह है कि इस अभियान के जरिए युवाओं को न केवल पौधों की विशेषताओं से अवगत कराया जा रहा है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक रूप से संरक्षण कार्यों में जोड़ा भी जा रहा है।

ये दुर्लभ वनस्पतियां होंगी फिर से जीवित

पुन- संरक्षित की जाने वाली दुर्लभ प्रजातियों में गरुण, बीजा, मेदा, दहिमन, सोनपाठा, कुल्लू धवा, गोंदी, पाकर, सलई, अचार, गधा पलाश, निर्मली, अंजन, मोरखा, कुम्भी तिन्सा, हल्दू, भिलमा, कुसुम और खटाम्बा जैसी वनस्पतियाँ शामिल हैं। ये प्रजातियाँ न केवल औषधीय गुणों से भरपूर हैं बल्कि वायुमंडल को भी शुद्ध करने में सहायक होती हैं। मुख्य वन संरक्षक पीएन मिश्रा और डीएफओ प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में यह अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में इंदौर और मध्यप्रदेश के पर्यावरण को नई संजीवनी मिलेगी।

जनजातीय शिल्पग्राम महोत्सव 2025 का शुभारंभ

सीएम बोले- पाकिस्तान का सत्यानाश निश्चित है

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को रवींद्र भवन में जनजातीय शिल्पग्राम महोत्सव 2025 का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने जनजातीय कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार कलाकारों और आदिवासी समुदाय के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने महोत्सव में प्रदर्शित काष्ठ, धातु और मृत्तिका शिल्प की प्रशंसा करते हुए कलाकारों की कल्पनाशीलता को मां सरस्वती का वरदान बताया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कलाकार कला को साकार करने में जितनी मेहनत और समर्पण दिखाते हैं, वह उन्हें विशेष बनाता है। उन्होंने कहा कि हमारे कलाकारों की कलाकृतियां देख ऐसा लगा जैसे वो एक ही दिन में बनी हों। इनका शिल्प संयम, अभ्यास और अद्भुत रचनात्मकता का प्रतीक है। सीएम ने कहा कि हमारे कलाकार कला को मूर्तरूप देते वक्त हिसाब भी बढ़िया रखते हैं। जब उन्होंने बड़े देव की मूर्ति बनाई और सांप देवता ऊपर लपेट दिए, तो मैंने पूछा कि बीच में गड्ढा क्यों कर दिया, तो बोले की सांप देवता की इच्छा होगी तो वो गड्ढे में चले जाएंगे। इससे पता चलता है कि कलाकारों की कल्पनाशीलता अनंत है।

हमारी देश की जियो और जीने दो की भावना है

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राष्ट्र की सुरक्षा और पाकिस्तान के खिलाफ चल रहे संघर्ष पर भी तीखा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का सत्यानाश निश्चित है। हमारी सेना, फाइटर पायलट और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब किसी भी चुनौती का डटकर सामना करने को तैयार है। सीएम ने कर्नल सौफिया की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया है, हमें उन पर गर्व है।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने जैसा कहा कि आतंकवादियों को गड्ढे में गाड़ देंगे, वैसा ही किया। मसूद अजहर जैसे आतंकी के खानदान को मिट्टी में मिलाने का काम किसी ने किया है, तो वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने करके दिखाया। हमारे देश में जियो और जीने दो की भावना है।

सरकार ने आदिवासी नायकों के सम्मान में निर्णय लिए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मंडला स्थित ऐतिहासिक किले के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए 15 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने आदिवासी नायकों के सम्मान में कई बड़े निर्णय लिए हैं, जैसे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का नामकरण, टंट्या मामा विश्वविद्यालय, और पहली कैबिनेट बैठक का आयोजन रानी दुर्गावती के नाम पर।

कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया

महोत्सव के दौरान सीएम डॉ. यादव ने जीआई टैग प्राप्त गोंड पेंटिंग के चार कलाकारों को ऑथोराइज्ड यूजर कार्ड और एनआईसी द्वारा विकसित प्रशिक्षण किट वितरित की। साथ ही बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय की कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया गया। तीन दिवसीय इस महोत्सव में जनजातीय शिल्प, व्यंजन, नृत्य और संगीत की झलक देखने को मिलेगी, जिसमें देशभर से आए कारीगर हिस्सा ले रहे हैं।

भोपाल में कांग्रेस ने निकाली तिरंगा यात्रा सिंघार बोले-पीओके बने भारत का हिस्सा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भारतीय सेना के गौरव, साहस और बलिदान को समर्पित ऑपरेशन सिंदूर% के अंतर्गत एमपी कांग्रेस ने भोपाल में तिरंगा यात्रा' का आयोजन पूरे उत्साह और गरिमा के साथ किया। यह यात्रा सेना के प्रति सम्मान में की गई। तिरंगा यात्रा रेडक्रॉस हॉस्पिटल के सामने शिवाजी महाराज चौराहे से शौर्य स्मारक तक निकली। इस यात्रा में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव, संगठन प्रभारी महासचिव संजय कामले, भोपाल शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना सहित तमाम कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह काबिले तारीफ कार्रवाई है। मैं तो यही कहता हूं कि पाकिस्तान हिंदुस्तान से निकला हुआ एक छोटा सा बच्चा है। वह हमेशा नादानी करता आया है। इसलिए उसके 1971 में टुकड़े हुए थे और निश्चित तौर पर इस बार फिर चाहूंगा कि पाकिस्तान के टुकड़े हों। पाक अधिकृत कश्मीर हिंदुस्तान का हिस्सा बने और बलूचिस्तान पर हमारा कब्जा हो। पीसीसी चीफ ने का हा कि पूरा देश एक साथ है। हमे हमारी सेना पर गर्व है।

पाकिस्तान आतंकवादियों को शरण देता रहा

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि एक बात साबित हो चुकी है कि पाकिस्तान आतंकवादियों को शरण देता रहा है। हमें इस बात का गर्व है कि हमारे देश की रॉ ने सही तरीके से आतंकियों के ठिकानों को चिह्नित किया और हमारा निशाना सही जगह पर लगा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह काबिले तारीफ कार्रवाई है। मैं समझता हूं कि सेना मजबूती काम कर रही है। भारत की सेना के आगे पाकिस्तान घबराया हुआ है।कांग्रेस पार्टी ने भारतीय सेवा का मनोबल बढ़ाने के लिए यात्रा निकाली है। प्रदेश के कार्यकर्ता हर जिले से आए हुए हैं। हम सेना को सैल्यूट करते हैं। सेना का मनोबल ऊंचा रहे। पूरी कांग्रेस पार्टी देश की सेना के साथ है। कांग्रेस नेता अरुण यादव ने कहा कि आतंकी हमला हमारे देश पर हुआ है।

उसे जवाब देने का काम हमारी सेना ने किया है। जो हमारे देश के खिलाफ आंख उठाने का काम करेगा, उसका वही हश्न होगा जो आज हमारी सेनाओं ने किया है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि पाकिस्तान की यह कायराना हरकत थी। आज देश की सेनाओं ने करारा जवाब दिया है। पूरा देश सेनाओं के साथ है। पाकिस्तान सुधर जाए नहीं तो बर्बाद हो जाएगा।

तिरंगा लेकर निकले मुस्लिम समुदाय के लोग, बोले- सीमा पर भेजो हमें भी

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच शुक्रवार को राजधानी भोपाल में जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय ने विशेष दुआ की। नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोग हाथों में तिरंगा लेकर मस्जिदों से बाहर निकले और भारत की विजय और पाकिस्तान की शिकस्त के लिए खुले समर्थन का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश के मुसलमान भी सरहद पर जाकर लड़ने को तैयार हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला शुक्रवार था। लोगों ने भारत की सलामती, अमन और शांति के लिए सामूहिक रूप से दुआ की। इसके साथ ही कई स्थानों पर पाकिस्तान को करारा जवाब देने की भावना भी जाहिर की गई।

इस आयोजन की पृष्ठभूमि में ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड की गुरुवार को की गई अपील भी अहम रही। बोर्ड ने देशभर की मस्जिदों के इमामों और समितियों से अनुरोध किया था कि 9 मई को जुमा की नमाज के बाद भारत की सुरक्षा, तरक्की और पाकिस्तान की हार के लिए दुआ की जाए। भोपाल के विभिन्न हिस्सों में जुमे की नमाज के बाद लोग तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए बाहर निकले।

उनका कहना था कि देश सर्वोपरि है और इस संकट की घड़ी में हर नागरिक को एकजुट होकर सेना और सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए। इस माहौल में राष्ट्रहित में मुस्लिम समुदाय की यह पहल न सिर्फ राष्ट्रीय एकता का उदाहरण बनी, बल्कि एक स्पष्ट संदेश भी दिया कि भारत की अखंडता और सुरक्षा के लिए सभी धर्मों के लोग एकजुट हैं।

कई जिलों में तेज हवाओं के साथ हुई बारिश अगले 3 दिन बदला रहेगा मौसम

भोपाल। मध्यप्रदेश में चार मौसमी प्रणालियां सक्रिय हैं, जिससे अरब सागर से लगातार नमी आ रही है। कई जिलों मंर रुक-रुककर बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि हो रही है। इससे तापमान में गिरावट दरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को नर्मदापुरम के सिवनी मालवा में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इंदौर में भी हल्की बारिश दर्ज की गई। राजधानी भोपाल में धूप-छाव चलता रहा। प्रदेश के अधिकतर जिलों में मौसम बदला रहा। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन दिन तक प्रदेश में इसी प्रकार का मौसम बना रहेगा।

मौसम विभाग का अलर्ट

मौसम विभाग ने भोपाल, श्योपुर, बैतूल, हरदा और अनूपपुर में आकाशीय बिजली गिरने के साथ गरज-चमक और हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं, शिवपुरी, अशोकनगर, मुरैना, गुना, विदिशा, रायसेन, सीहोर, खंडवा, छतरपुर, बैतूल, रतलाम, देवास, खरगोन, पन्ना, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, सिंगरौली और शहडोल में भी मौसम बदला रहेगा।

ऐसा रहा प्रमुख शहरों का मौसम

प्रदेश में शुक्रवार को खजुराहो का तापमान सबसे ज्यादा 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंडला, सतना, सीधी और रीवा में भी पारा 39 डिग्री या इससे ज्यादा रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 34.2 डिग्री, इंदौर में 34 डिग्री, ग्वालियर में 37.6 डिग्री, उज्जैन में 34 डिग्री और जबलपुर में पारा 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इकलौत हिल स्टेशन पचमढ़ी में सबसे कम 30.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

ये मौसम प्रणालियां हैं सक्रिय

वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी मध्य प्रदेश के आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात मौजूद है। पश्चिमी मध्य प्रदेश पर बने चक्रवात से लेकर गुजरात से होकर अरब सागर तक एक द्रोणिका बनी हुई है। पूर्वी-पश्चिमी द्रोणिका दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान से उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़ से उत्तरी झारखंड तक बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि अरब सागर से मध्य प्रदेश तक द्रोणिका बनी हुई है। इस वजह से लगातार नमी आने के कारण गुजरात से लगे प्रदेश के जिलों में बारिश हो रही है।

भोपाल में गैंगस्टर जुबैर का पुलिस ने जुलूस निकाला, 6 महीने से फरार था

भोपाल। भोपाल की मंगलवारा, टीला जमालपुरा, क्राइम ब्रांच और हनुमानगंज पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुख्यात गैंगस्टर जुबैर मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के तीन गुर्गों की भी गिरफ्तारी की गई है। बदमाशों के कब्जे से एक देसी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, तीन छुरी जब्त की गई हैं। सभी ने मिलकर शहर में दहशत बनाने तीन दिन पहले मंगलवारा और टीला जमालपुरा में वाहनों में तोड़-फोड़ के साथ ही फायरिंग की थी। वारदात मंगलवारा के बदमाश साद खान से पुरानी रंजिश के चलते की गई थी। आरोपियों के गोली चलाते हुए सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए थे। वारदात के बाद मुख्य आरोपी जुबैर उर्फ मौलाना ने सिर के बाल मुंडवाने के साथ ही दाढ़ी को कटवा लिया था। जुबैर बीते 6 महीने से फरार था। रायसेन की बेगमगंज पुलिस सहित जहांगीराबाद पुलिस को उसकी तलाश थी। गुरुवार रात परवलिया के एक फार्म हाउस में पुलिस ने दबिश देते हुए उसे गिरफ्तार किया। भागने के प्रयास में उसके पांव में फ्रेक्चर आया है। जुबैर मौलाना के खिलाफ गैरतगंज के अलावा भोपाल में कई अपराध दर्ज हैं। जिसमें उस पर तीस हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस को गुमराह करने के लिए अपने बाल भी मुंडवा लिए थे। इसलिए उसका पहचान पाना मुश्किल हो रहा था। पैर टूटने से उसके पैर में प्लास्टर बन गया है। हालांकि अस्पताल से उसे डिस्चार्ज कर दिया गया है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच भोपाल में अलर्ट, चौराहों पर पुलिस तैनात

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भारत-पाकिस्तान के बीच बने तनाव की स्थिति के चलते राजधानी भोपाल में भी पुलिस ने अलर्ट जारी कर दिया है। शहर के सभी चौक चौराहों पर पुलिस नजर बनाए हुए है। एयरपोर्ट सहित शहर के 30 पॉइंट पर पुलिस बल तैनात किया गया है। शहर के प्रमुख चौराहे, वीवीआईपी इलाकों को कवर किया गया है। शहर के एंट्री पॉइंट पर चेकिंग शुरू कर दी गई। शहर में प्रवेश करने वाले हर वाहन की तलाशी ली गई। इधर बोट क्लब पर रखे टैंक पर तिरंगा फहराया है। इसी के साथ भोपाल के लोगों ने न सिर्फ भारतीय सेना का उत्साहवर्धन किया बल्कि देशभक्ति का भी जज्बा दिखाया है। भोपालियों ने सुदर्शन चक्र टैंक पर चढ़कर तिरंगा फहराया है। भारत-पाकिस्तान युद्ध के बीच अद्भुत तस्वीरें सामने आई है। भोपाल का बच्चा-बच्चा युद्ध भूमि में जाने के लिए तैयार है। भोपाल के बोट क्लब पर सुदर्शन चक्र टैंक खड़ा है। टैंक पर शान से तिरंगा लहराया है। सेना के टैंक पर भोपाल के लोगों ने तिरंगा लहराया है। लोगों ने भारतीय सेना का उत्साहवर्धन किया है। राजधानी भोपाल के पुलिस कंट्रोल रूम में बैठे जवान सीसीटीवी कैमरों के जरिए हर स्थिति पर निगाह बनाए हैं। इससे पहले गुरुवार देर शाम पुलिस अधिकारियों की एक बैठक भी हुई। इसमें आगे की रणनीति पर चर्चा हुई।

स्वास्थ्य विभाग का एचआरएमएस पोर्टल तैयार अगले सप्ताह से कर सकेंगे आवेदन

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक स्वस्थ एवं चिकित्सा विभाग ने कर्मचारियों के ट्रांसफर के लिए एचआरएमएस पोर्टल तैयार किया है। विभाग में ट्रांसफर प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। यह पोर्टल अगले सप्ताह 13 में से शुरू हो जाएगा। दरसअल प्रदेश में 1 मई से तबादलों से रोक हटा दी गई है। प्रदेश में 30 मई तक तबादले हो सकेंगे। इधर,भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव पूर्ण हालात को देखते हुए मध्य प्रदेश के कर्मचारी संगठन ने सरकार से सिर्फ स्वेच्छा से मांगे गए तबादले किए जाने की मांग की है। मोहन सरकार ने तबादला नीति को कैबिनेट से मंजूर किए जाने के बाद निर्देश दिए थे कि विभाग चाहें तो तबादलों के लिए अपनी अलग नीति बना सकते हैं। इसके तहत लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने तबादले के लिए ऑनलाइन व्यवस्था तैयार की है। एचआरएमएस पोर्टल में तबादले के लिए कर्मचारी अधिकारी को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। साथ ही तबादले के स्थान के साथ 3 अन्य विकल्प भी देने होंगे। संबंधित विकल्पों में से किसी एक स्थान पर तबादले का विचार किया जाएगा।

भोपाल नगर निगम तैयार कर रहा फ्यूल मैनेजमेंट सिस्टम

जल्द आएगा नया सॉफ्टवेयर, डीजल चोरी पर लगेगा अंकुश

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल नगर निगम में डीजल चोरी के मामले लगातार सामने आते रहते हैं। इसे लेकर कई बार कार्रवाई भी हुई लेकिन निगम इस पर अभी तक पूरी तरह रोक नहीं लग पाया है। दरअसल अभी तक फ्यूल लेनदेन का काम कागजों पर चलता है। अब इसे पूरी तरह से डिजिटल करने की तैयारी शुरू की गई है। निगम प्रशासन फ्यूल मैनेजमेंट सिस्टम को लागू करने की तैयारियों में जुट गया है। निगम से मिली जानकारी के मुताबिक अगले चार महीने में नया सॉफ्टवेयर काम करना शुरू कर देगा। सॉफ्टवेयर तैयार होने के बाद नगर निगम के वाहनों को ऑनलाइन मांगपत्र जारी होगा। संबंधित विभाग के अधिकारी एप पर जाकर परमिशन देंगे कि किस वाहन में कितना ईंधन देना है।

फ्यूल मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर यह होगा फायदा

जानकारी के लिए बतांदे कि नगर निगम के किसी वाहन को ईंधन चाहिए रहता है तो उसका ड्राइवर संबंधित विभाग के अधिकारी से कागज पर मागत्र साइन करवाते हैं।

फिर निगम के पंप जाकर ईंधन लेते हैं। कई बार अधिकारी सीट पर नहीं होते तो वाहन चालकों को इंडेन लेने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। वहीं ऐसे भी मामले सामने आते हैं, जिसमें मांगपत्र पर तो 30 लीटर लिखा होता है, लेकिन ड्राइवर इसे मिटाकर 40 तो कभी 50 लीटर कर लेते हैं, लेकिन इसका खुलासा मांगपत्र की पूरी बुक खत्म होने के बाद मिलान के समय होता है। इन समस्याओं को खत्म करने के लिए निगम फ्यूल मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर ला रहा है।

अगले महीने से शुरू होगा ट्रायल

नगर निगम मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के सहयोग से यह फ्यूल मैनजमेंट ला रहा है। निगम अधिकारियों के मुताबिक जो कंपनी इस सॉफ्टवेयर को तैयार कर रही है, उसे निगम की ओर से डाटा उपलब्ध करवा दिया गया है।

अगले महीने से इस पर ट्रायल शुरू हो जाएगा जबकि चार महीने में इस सॉफ्टवेयर से सभी अधिकारियों को जोड़ा जाएगा। इसके लिए उन्हें बकायदा ट्रैनिंग दी जाएगी।

सम्पादकीय

बढ़ते तनाव के बीच राजनीतिक सहमति का यह दुर्लभ क्षण

विपक्ष खासकर कांग्रेस और एआईएमआईएम ने सराहनीय परिपक्वता दर्शाई। वे तमाम राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर राष्ट्रीय हितों के साथ खड़े नजर आए। राजनीतिक सहमति का यह दुर्लभ क्षण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को एक सशक्त संदेश देता है। यह भी कि जब भी भारत की संप्रभुता को चुनौती मिलती है इसका राजनीतिक ताना-बाना और मजबूत होता है। जबकि, तनाव की तसवीर अभी डराने वाली हैं। जिसको हल्के में नहीं लिया जा सकता। हालांकि, भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उसका इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है। लेकिन जवाबी कार्रवाई के लिये पूरी तरह तैयार है। इसलिए रणनीतिक संयम को विश्वसनीय प्रतिरोध के साथ संतुलित किया जाना चाहिए।

भारत ने पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर व पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी शिविरों तक सटीक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया था, जिसको लेकर गुरुवार को विपक्ष ने सरकार के साथ एकता और संकल्प का परिचय दिया। हालांकि, दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय तनाव कायम है। पाकिस्तान ने सभी कायदे कानून ताक पर रखकर नागरिकों व सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाना जारी रखा है। हालांकि, भारत ने मजूबत सुरक्षातंत्र के बूते अपने पंद्रह शहरों पर दागी गई लक्षित मिसाइलों को बेअसर कर दिया है। प्रतिक्रिया स्वरूप भारत ने पाक के कुछ सैन्य ठिकानों व लाहौर की प्रमुख वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ने स्थिति की गंभीरता को ही रेखांकित किया। इस स्थिति को बेहद संवेदनशील बताते हुए उन्होंने संस्थागत तालमेल और नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। दरअसल, इस स्थिति में सरकार की प्राथमिकताओं में नागरिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना, गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना और किसी भी हमले का तत्परता से मुकाबला करना शामिल है। निस्संदेह, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल और परिचालन में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये मंत्रालयों को निर्देश साइबर हमलों और गलत सूचना अभियानों सहित हाइब्रिड खतरों की एक गंभीर समझ को ही दर्शाता है। गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा सर्वदलीय बैठक में विस्तृत जानकारी देना इस दिन का महत्वपूर्ण घटनाक्रम था। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में कम से कम सौ आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि की। विपक्ष खासकर कांग्रेस और एआईएमआईएम ने सराहनीय परिपक्वता दर्शाई। वे तमाम राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर राष्ट्रीय हितों के साथ खड़े नजर आए। राजनीतिक सहमति का यह दुर्लभ क्षण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को एक सशक्त संदेश देता है। यह भी कि जब भी भारत की संप्रभुता को चुनौती मिलती है इसका राजनीतिक ताना-बाना और मजबूत होता है। जबकि, तनाव की तसवीर अभी डराने वाली हैं। जिसको हल्के में नहीं लिया जा सकता। हालांकि, भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उसका इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है। लेकिन जवाबी कार्रवाई के लिये पूरी तरह तैयार है। इसलिए रणनीतिक संयम को विश्वसनीय प्रतिरोध के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। निस्संदेह,अब सामरिक जीत से हटकर रणनीतिक स्थिरता पर जोर दिया जाना चाहिए। आने वाले दिनों में नागरिक सुरक्षा, कूटनीतिक संदेश और आंतरिक सुरक्षा पर लगातार ध्यान देने की आवश्यकता होगी। भारत को सुरक्षा प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना वैश्विक भागीदारों को जानकारी देना जारी रखना चाहिए। साथ ही अपने नागरिकों से पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के जारी रहने के बावजूद, एकीकृत राजनीतिक रुख और संस्थागत सतर्कता बाहरी खतरों के सामने लोकतांत्रिक लचीलेपन का एक आदर्श प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त देश के सीमावर्ती इलाकों के ग्रामीण की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से बौखलाए पाकिस्तान ने हताशा में जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर मौत और विनाश का तांडव मचाया है। पुंछ सेक्टर में भारी गोलाबारी में 13 नागरिकों की जान चली गई। वहीं सीमावर्ती इलाके के गांवों में बड़ी संख्या में घर क्षतिग्रस्त हो गए। पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के बाद उस संघर्ष विराम का उल्लंघन कर दिया है जिसे 2021 में नये सिरे से लागू किया गया था। पाकिस्तान सेना ने बेशर्मी से नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया है। जबकि भारतीय सेना ने अपनी जिम्मेदारी के साथ हमलों को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी बुनियादी ढांचे के स्थलों तक ही सीमित रखा था। यह तय है कि भारत की सधी और नियंत्रित कार्रवाई ने पाक के साथ-साथ उसके क्षेत्र से संचालित होने वाले आतंकी संगठनों को हिलाकर रख दिया है। निस्संदेह, भारत ने पड़ोसी पाक को बता दिया है कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य साहिष्णुता रखता है, लेकिन साथ ही हमें एलओसी व सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही विस्थापित परिवारों की निकासी और अस्थायी पुनर्वास प्रशासन व सुरक्षा बलों की प्राथमिकता होनी चाहिए। पूरे देश को सीमावर्ती ग्रामीणों के साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए, जो पाक की नापाक हरकतों के कारण पहले से कहीं अधिक असुरक्षित हैं। ये हमारे सुरक्षा बलों की आंख-कान के रूप में काम करते हैं।

पाकिस्तान को बहुत महंगा पड़ सकता है भारत से युद्ध

पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में मौजूद टेरर इंन्फ्रास्ट्रक्चर को जिस कदर नुकसान पहुंचा है, उसे देखते हुए ऑपरेशन सिंदूर के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इन आतंकी ठिकानों को बेहद सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर चुना गया था और इनको पूरी तरह तबाह कर दिया गया है। इनमें बहावलपुर में मौजूद जैश-ए-मोहम्मद और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के हेड्क्वॉर्टर भी शामिल हैं। भारत ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद 7 मई की रात को पाकिस्तान ने भारत के उत्तर और पश्चिमी शहरों पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं, जिसे भारत ने एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम से नाकाम कर दिया। यही नहीं, भारत ने पाकिस्तान के कुछ एयर डिफेंस सिस्टम को भी तबाह किया है।

पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में मौजूद टेरर इंन्फ्रास्ट्रक्चर को जिस कदर नुकसान पहुंचा है, उसे देखते हुए ऑपरेशन सिंदूर के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इन आतंकी ठिकानों को बेहद सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर चुना गया था और इनको पूरी तरह तबाह कर दिया गया है। इनमें बहावलपुर में मौजूद जैश-ए-मोहम्मद और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के हेडक्वॉर्टर भी शामिल हैं। भारत ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद 7 मई की रात को पाकिस्तान ने भारत के उत्तर और पश्चिमी शहरों पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं, जिसे भारत ने एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम से नाकाम कर दिया। यही नहीं, भारत ने पाकिस्तान के कुछ एयर डिफेंस सिस्टम को भी तबाह किया है।

ऑपरेशन सिंदूर को एक अलग घटना के रूप में भी नहीं देखा जाना चाहिए। भारत ने हाल में जो कदम उठाए हैं, इसे उसी की एक कड़ी के रूप में देखना चाहिए, खासकर सिंधु जल संधि को निलंबित करने के फैसले के साथ। इससे पाकिस्तान की कृषि और खाद्य सुरक्षा पर लंबे वक्त के लिए असर पड़ेगा।

मुरीदके और बहावलपुर स्थित आतंकी अड्डों पर की गई स्ट्राइक पाकिस्तानी सेना, आईएसआई और आतंकी गठजोड़ के लिए एक जबरदस्त झटका है। ऑपरेशन सिंदूर का मनोवैज्ञानिक असर भी है। दशकों से ये दोनों कैंप आतंक के अड्डे रहे हैं और यहीं बैठकर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी भारत के खिलाफ साजिशें रचते रहे हैं। अब तक भारत इन पर सीधे कार्रवाई करने से हिचकता था। इस बार वह हिचक टूटी। भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को ही तबाह नहीं किया, आतंकी साजिशों को अंजाम देने की उनकी क्षमता को भी कमजोर कर दिया है। यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में एक बड़ा और निर्णायक बदलाव दर्शाता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी पर दबाव था। इसलिए 7 मई की रात उसने भारतीय शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। पाकिस्तानी फौज ने इसके जवाब में जो कार्रवाई की, उसमें भी उसके हाथ हार लगी। भारत ने पहले ही कहा था कि वह ऐसी किसी हरकत का करारा जवाब देगा और वैसा ही हुआ।

वैसे, पाकिस्तान फिर से आतंकवाद का सहारा ले सकता है। उसके लिए जम्मू-कश्मीर या फिर भारत के दूसरे राज्यों में आतंकी गतिविधियां करना ज्यादा आसान विकल्प है। लेकिन, इसमें एक बड़ा खतरा यह है कि इससे एक बार फिर दुनिया के सामने साबित हो जाएगा कि पाकिस्तान ही आतंकवाद का केंद्र है। ऐसे में हो सकता है कि पाकिस्तान अभी इस विकल्प की तरफ न जाए। लेकिन, अगर लंबे वक्त के लिए देखते हैं, तो जब तक उसके यहां आतंकी ढांचे पूरी तरह खत्म नहीं हो जाते, तब तक यह आशंका हमेशा बनी रहेगी कि वह आतंकवाद का इस्तेमाल स्टेट पॉलिसी के रूप में कर सकता है।

पाकिस्तान का सत्ता प्रतिष्ठान आतंकवाद को इस्तेमाल करने का आदी हो चुका है। उन्होंने भारत के साथ ही इस रणनीति का उपयोग अफगानिस्तान के खिलाफ भी किया। वैसे, इस मामले में एक चिंता यह भी है कि आतंक की ट्रेनिंग ले चुके इन जिहादियों को जब काम नहीं मिलेगा तो वे पाकिस्तान के भीतर ही हमला करने लगेंगे। तहरीक-ए-तालिबान का उदाहरण सामने है, जिसने पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों की नाक में दम कर रखा है।

पाकिस्तान की सेना और आईएसआई ने 1980 के दशक में अफगान मुजाहिदीनों को पनाह दी। उनके लिए ट्रेनिंग का इंतजाम किया और हथियार पकड़ाए। बाद में वही मॉडल जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने के लिए इस्तेमाल किया गया। पाकिस्तान ने तब जिस दानव को खड़ा किया था, आज वही उसे निगलने के लिए तैयार है। अगर उसने पले-बढ़े आतंकियों को समय-समय पर बाहर नहीं भेजा, तो वे उसे ही खत्म कर देंगे। यही वजह है कि पाकिस्तान से निकलने वाला आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए एक समस्या बन चुका है। ओसामा बिन लादेन का पाकिस्तान के सैनिक अड्डे वाले शहर एबटाबाद में मिलना इस बात का पुख्ता सबूत है कि वहां आतंकी ढांचा कितना मजबूत और गहरे तक जड़ें जमाए हुए है।

जब पाकिस्तान कहता है कि उसका आतंकवाद से कोई लेना-देना नहीं, तो बहुत कम देश उसकी बात पर यकीन कर पाते हैं। पूरी दुनिया के सामने इस्लामाबाद का सच उजागर हो चुका है। हाल में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और बिलावल भुट्टो के बयानों से भी इस बात की तस्दीक हो जाती है कि उनका देश आतंकवाद को प्रश्रय दे रहा है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से अंतरराष्ट्रीय समुदाय तंग आ चुका है। इसीलिए चीन और तुर्किये को छोड़कर कोई और देश पाकिस्तान की बातों पर ध्यान नहीं देना चाहता। यहां तक कि खाड़ी के परंपरागत सहयोगी देश भी अब भारत के नजरिये से क्षेत्रीय सुरक्षा को समझने लगे हैं।

बता दें कि भारत ने गुरुवार रात को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला करने की पाकिस्तानी सेना की नापाक साजिश को विफल कर दिया है। पाकिस्तान के साथ सीमा पर रात में हवाई निगरानी के दौरान अखनूर, सांबा, बारामुल्ला और कुपवाड़ा और कई अन्य स्थानों पर सायरन बजने और कई विस्फोटों की सूचना मिली। भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तानी प्रयासों को विफल करने के बाद रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने 8 और 9 मई 2025 की मध्य रात्रि को पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों से कई हमले किए। पाक सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कई संघर्ष विराम उल्लंघन भी किए। ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से विफल किया गया और सीएफवी को मुंहतोड़ जवाब दिया गया।

सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार रात जब पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के साथ विभिन्न स्थानों पर झुंड ड्रोन भेजने के असफल प्रयास किए। उधमपुर, सांबा, जम्मू, अखनूर, नगरोटा और पठानकोट क्षेत्रों में भारतीय सेना की वायु रक्षा इकाइयों की ओर से बड़े पैमाने पर किए गए काउंटर-ड्रोन ऑपरेशन के दौरान 50 से अधिक ड्रोन को सफलतापूर्वक निष्प्रभावी कर दिया गया। इस मुठभेड़ में एल-70 गन, जेडयू-23 मिमी, शिल्का सिस्टम और अन्य उन्नत काउंटर-यूएएस उपकरणों का व्यापक उपयोग किया गया, जो हवाई खतरों का मुकाबला करने की सेना की मजबूत क्षमता को दर्शाताहै।

इससे पहले बीते दिन रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर जम्मू, पठानकोट और उधमपुर में सैन्य स्टेशनों को पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों की ओर से निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुरूप गतिज और गैर-गतिज क्षमताओं का उपयोग करके खतरों को तेजी से बेअसर कर दिया गया। किसी के हताहत होने या भौतिक नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा प्रभावी ढंग से रोका गया

सैन्य सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की मिसाइलों को जम्मू के सतवारी, सांबा, आरएस पुरा और अरनिया कस्बों पर भी निर्देशित किया गया था। उन्हें भारत की वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा निष्क्रिय कर दिया गया। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा प्रभावी ढंग से रोका गया और दुश्मन के प्रयासों को विफल कर दिया गया। भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के पाकिस्तान की साजिश इसी तरह के प्रयास के 24 घंटे से भी कम समय बाद हुए।

कैसे मिला पाकिस्तान को आईएमएफ का कर्ज

भारत के साथ युद्ध के लिए पागलपन की हद तक जाने वाला पाकिस्तान आखिर किस तरह आईएमएफ से 1.3 बिलियन डॉलर का ताजा कर्ज (लोन) पाने में सफल रहा? भारत भी आईएमएफ का एक पार्टनर देश है और उसका अपना वोटिंग शेयर है। भारत ने 09 मई को हुई आईएमएफ बोर्ड की बैठक में पाकिस्तान के वहशी होने का मुद्दा भी उठाया, लेकिन अंत में वोटिंग से अपने को अलग कर लिया। इसका कारण एक ही है कि अमेरिका समेत तमाम बड़े देश यह आभास दे रहे थे कि पाकिस्तान को आईएमएफ लोन नहीं दिया गया तो वहां और स्थिति खराब हो सकती है। पाकिस्तान में और अफरातफरी मच सकती है। भारत के वोट का भार तीन प्रतिशत से कम है, जो कि फैसले को प्रभावित करने के लिए काफी कम है। आईएमएफ लोन प्राप्त करने के लिए किसी भी देश को कुल वोट का 85 प्रतिशत प्राप्त करना जरूरी होता है और इसमें अमेरिका के वोट का सबसे अधिक प्रभाव होता है।

अमेरिका के वोट का भार 17 प्रतिशत है। यानी केवल अमेरिका ही किसी देश के लोन को अकेले रोक सकता है। अब जबकि सभी बड़े देश जानते हैं कि पाकिस्तान पूरी दुनिया में आतंकवाद का एक्सपोर्ट कर रहा है, फिर क्यों उसे आईएमएफ का लोन दिया जा रहा है। पाकिस्तान को लोन मिलने के पीछे जो कुछ आधार बने हैं, उनमें सबसे अधिक वजनी कारण है, पाकिस्तान द्वारा कई प्रमुख देशों को अपनी जमीन के इस्तेमाल की इजाजत देना है। पाकिस्तान ने चीन, अमेरिका, अरब देश और तुर्किये जैसे देशों को अपने यहां से मिलिट्री और व्यापारिक गतिविधियों को संचालित करने की इजाजत दे रखी है। उसमें भी चीन और अमेरिका पाकिस्तान को अपने उपनिवेश की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं और चाहते भी हैं कि इस्लामाबाद उनका पिट्ठू बना रहे, इसलिए आतंकवाद को पालते देख भी आईएमएफ का लोन जारी होने दे रहे हैं।

यह देश पाकिस्तान को अलग से कर्ज देते हैं। वह अपने कर्ज के पैसे वापस पाने के लिए भी पाकिस्तान को कर्ज दिलाने में मदद कर रहे हैं। चीन ने पाकिस्तान को भारी कर्ज दे रखा है। पाकिस्तान चाइना इकोनोमिक कॉरिडोर में चीन ने इस्लामाबाद को 65 अरब डॉलर से अधिक का कर्ज दे रखा है। तीन दशक में भी यह इकोनोमिक कॉरिडोर बन कर तैयार नहीं हुआ है। इसका आर्थिक लाभ मिलने के बजाय चीन के लिए यह बोझ बन गया है। चूंकि पाकिस्तान की यह हैसियत नहीं है कि वह अपनी आय से चीन का कर्ज उतार सके, इसीलिए उस पर कर्ज लाद कर अपना पैसा निकालना चीन और अमेरिका दोनों के लिए सुविधाजनक रास्ता लगता है।

आईएमएफ के कोष में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी अमेरिका की है। आईएमएफ जब लोन देता है, तो पुराने लोन की रिपेमेंट की ताकीद भी करता है। यानी आईएमएफ को अपने पैसे की भी चिंता रहती है। अपने पुराने पैसे की उगाही के लिए नए कर्ज के अलावा इस समय कोई रास्ता भी नहीं है। आईएमएफ केवल एक अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसी नहीं है, बल्कि यह बड़े देशों के लिए आर्म ट्विस्टिंग टूल्स भी है। आईएमएफ अपने लोन की शर्तें मनमाने ढंग से तय करता है। यानी लोन लेने वाले देश की पूरी आर्थिक नीति को अपने ढंग से तय करने का अधिकार रखता है। इसलिए जो भी देश आईएमएफ के लोन की सिफारिश करता है, अपनी-अपनी शर्तों को लादने की कोशिश करता है। पाकिस्तान 1950 से ही आईएमएफ का लोन लेने की आदी हो चुका है। 20 बार से अधिक लोन ले चुका है।

अब भी उसके सामने आईएमएफ के सामने नतमस्तक होने के अलावा कोई चारा भी नहीं है। पाकिस्तान का निर्यात सालों से ध्वस्त पड़ा है। टेरर एक्सपोर्ट से उसे उसे कुछ मिलने वाला भी नहीं है। उसके सामने हमेशा डॉलर की किल्लत बनी रहती है। अभी भी उसका विदेशी मुद्रा भंडार 13 अरब डॉलर के आसपास है। पाकिस्तान को खुद को जिंदा रखने के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। और आयात बिल का भुगतान उसे डॉलर में ही करना है, इसलिए आईएमएफ का लोन उसके अस्तित्व से ही जुड़ गया है। इसलिए वह अमेरिका और चीन दोनों का पिछलग्गू बनने के लिए तैयार रहताहै, ताकि आईएमएफ से उसे लोन आसानी से मिल जाए।

पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान के आर्थिक संकट का समाधान आईएमएफ के इस ऋण से भी नहीं होगा। पाकिस्तान रोज के हिसाब से जी रहा है। 1.3 अरब डॉलर कुछ ही दिन में खर्च हो जाएंगे। अगले साल फिर पाकिस्तान एक नए लोन के लिए जायेगा। हां इस ऋण से पाकिस्तान पुराने ऋणों की कुछ किस्तें चुकाएगा और आवश्यक आयातों का भुगतान भी कर सकेगा। इसका साफ मतलब है कि पाकिस्तान को आईएमएफ लोन के लिए आगे भी अरब, अमेरिका, चीन और यूरोप के सामने मजबूर हो कर खड़ा रहना पड़ेगा। सभी देशों की शर्तें माननी पड़ेगी। इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि पाकिस्तान अपनी व्यापक आर्थिक नीतियों में बदलाव करेगा, आतंकवाद की खेती छोड़कर भविष्य के संकट को हल करने पर जोर देगा।

पाकिस्तान के भ्रष्ट शासक पहले ही पाकिस्तान के नाम पर काफी उधार ले चुके हैं और पाकिस्तान को सुधारने के बजाय अपने निजी व्यवसायों को बढ़ाने में लगे रहते हैं। देश-विदेश में निजी संपत्तियां बनाने में लगे हैं। पाकिस्तान के लिए शर्मसार बात यह भी है कि वह अपने मौजूदा ऋणों को चुकाने में बुरी तरह विफल रहने के बाद भी भारी कर्ज के पीछे भाग रहा है। अब आईएमएफ और अन्य वित्तीय संस्थानों को भी सोचना होगा कि वे आगे कैसे कोई ऋण कैसे स्वीकृत कर सकते हैं, जब देश अपनी पॉलिसी में दूसरे देश में आतंकवाद फैलाने को प्रमुखता देता है और जिसका स्वाद अमेरिका और चीन भी चख रहे है।

मनरेगा कार्यों में अवैध उत्खनन करने वाली जेसीबी मशीनों पर हो सकती है एफ आई आर..

लेकिन बल्लारपुर,धरपीवाड़ा, मीरेगांव मे उत्खनन करने वाली मशीन पर अब तक नहीं हुई कार्रवाई

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ। लालबर्रा, देखने में आ रहा है कि लगातार क्षेत्र में मनरेगा के कार्यों में जेसीबी मशीन का इस्तेमाल कर मजदूरों के हक पर डाका डाला जा रहा है, जिस पर स्थानीय प्रशासन संज्ञान तो ले रहा है लेकिन कोई ठोस कार्रवाई करने से बचते नजर आ रहे हैं। जिसकी वजह क्या हो सकती है, ये पब्लिक है सब जानती है। हालांकि इस मामले में मिरेगांव पटवारी द्वारा जांच प्रतिवेदन तैयार कर तहसील कार्यालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है अब देखना यह है कि अवैध उत्खनन करने वाली जेसीबी क्रमांक एमपी 50 जेड एफ 41 57 पर क्या कार्रवाई होती है यदि प्रशासन निष्पक्ष रूप से कार्रवाई करता है तो अन्य खनन माफियाओं पर योग होने संरक्षण देकर आर्थिक लाभ कमाने वाले लोगों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। सरकार को राजस्व भी मिले, और मजदूरों का उनका हक।इसीलिए खबरों का प्रकाशन लगातार जारी रहेगा।

एंटी करप्शन टीम ने किसान से पांच हजार की रिश्वत लेते सर्वे लेखपाल को गिरफ्तार किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ नकुड़। सहारनपुर, एंटी करप्शन टीम ने किसान से पांच हजार की रिश्वत लेते सर्वे लेखपाल को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार आरोपी लेखपाल ने विरासत दर्ज कराने की एवज में किसान से दस हजार की रिश्वत मांगी। गंगोह के गांव कुंडा खुर्द निवासी किसान आलिम ने बताया कि दो अप्रैल को उनके दादा मंगता की मृत्यु हो गई थी। किसान ने बताया कि तीन दिन पूर्व उन्होंने विरासत दर्ज कराने के लिए सर्वे सर्किल में नियुक्त लेखपाल अनुज प्रताप सिंह से संपर्क किया। आरोप लगाया कि सर्वे लेखपाल ने इस काम के लिए उससे दस हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। आरोपी लेखपाल ने पांच हजार रुपये कागजों के साथ और बाकी के पांच हजार रुपये काम होने के बाद देने की बात कही। किसान ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम सहारनपुर से की। इसके बाद एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाकर रुपयों पर केमिकल लगाकर दिए। वह सर्वे लेखपाल के कार्यालय में रुपये देने पहुंचा तो टीम ने लेखपाल को रंगेहाथ दबोच लिया। टीम पकड़े गए लेखपाल को कोतवाली लेकर पहुंची। एंटी करप्शन टीम प्रभारी यशपाल सिंह ने बताया कि पकड़े गए लेखपाल जनपद मिर्जापुर की तहसील लालगंज के गांव मंझगवा का रहने वाला है। वर्ष 2018 से नकुड़ तहसील में तैनात है।

खरगोन पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त कर गुंडे बदमाशों व असमाजिक तत्वों के विरुद्ध की प्रभावी कार्यवाही

पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना के द्वारा किया गया कॉम्बिंग गश्त के फोर्स को ब्रीफ़

खरगोन-पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार समस्त जिला बल को रात्री गस्त को अधिक से अधिक प्रभावी बनाने व फरार-स्थाई वारंटियों की गिरफ़्तारी हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) भापुसे नरेंद्र रावत, अति. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन मे लगातार पुरे पुलिस दलबल के साथ प्रभारी पैदल गश्त की जा रही है ।इसी क्रम में दिनांक 07.05.2025 एवं 08.05.2025 को खरगोन पुलिस द्वारा जिला स्तर पर कॉम्बिंग गश्त की गई, जिसमे पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मराज मीना के द्वारा कॉम्बिंग गश्त के फोर्स को ब्रीफ़ किया गया, जिसमे प्राप्त निर्देशानुसार थाना प्रभारियों के द्वारा भी रात्री गश्त के बल को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाकर गश्त हेतु रवाना किया गया ।इस कॉम्बिंग गश्त का मुख्य उद्देश्य जिले में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु से फरार चल रहे वारंटशुदा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी, लिस्टेड गुंडों बदमाशों का औचक चेकिंग रात्रि में सक्रिय अपराधियों की धरपकड़ के अनेक सकारात्मक परिणाम हुए इसमें पुलिस टीम के द्वारा 40 स्थायी एवं 166 गिरफ्तार वारंटीयो को गिरफ्तार किया गया है, इसके साथ ही पुलिस ने थाना क्षेत्र मे मौजूद 135 लिस्टेड गुंडे व 74 निगरानी बदमाशों को भी चेक किया है ।

दसवीं में अदिति चौधरी ने 96.4% तो 12 वीं में सागर टेंभरे ने 91.8 % अंक लेकर बढ़ाया मान

सराहनीय रहा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघोली (ला.) का परीक्षा परिणाम

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा बीते 6 मई 2025 को दोपहर 10 बजे कक्षा 10 वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया और परिणाम जारी होते ही छात्र-छात्राओं (इंटरनेट के माध्यम से) अपना परीक्षा परिणाम देखने के बाद बधाईयों का दौर जारी हुआ । हम बात करें लालबर्रा नगर मुख्यालय से 5 किलोमीटर दूर ग्राम बघोली स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा दसवीं एवं 12वीं में अध्ययनरत्र छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम बेहद सराहनीय रहा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघोली में कक्षा दसवीं में अध्यनरत छात्रा अदिति पिता चैनलाल चौधरी 96.4% अंक लेकर प्रथम स्थान, शालू पिता गिरमाजी चौधरी 92.6 प्रतिशत और सुजल पिता लिंबाजी ठाकरे 92.6% अंक लेकर द्वितीय स्थान, भक्ति पिता मुकेश सोनवाने 91.2 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान और पलक पिता भागचंद चौधरी 90.6% अंक लेकर चौथे स्थान पर स्कूल की प्राविण्य सूची में नाम दर्ज किया।

इसी प्रकार कक्षा 12 वीं में सागर पिता धनेंद्र टेंभरे (गणित व अति. जीव विज्ञान विषय) में 91.8 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है खास बात यह रहीं की फिजिक्स में 100 में 100 नंबर प्राप्त किया है जिनकी सफलता से समूचे ग्राम में खुशी का माहौल निर्मित है वहीं राशि पिता राजेंद्र मेश्राम (जीव विज्ञान) 82% अंक लेकर द्वितीय स्थान, रोशनी पिता कन्हैयालाल धानेश्वर 81.6 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा स्थान, देवेश पिता नंदराम नागेश्वर 76.4% , रुचि पिता अशोक रंहागडाले 76% अंक लेकर स्कूल की ग्रामीण सूची में स्थान पाया है।

प्रेस चर्चा में स्कूल के प्रभारी प्राचार्य श्री हेमंत रहांगडाले ने बताया कि कक्षा दसवीं में विद्यार्थियों की संख्या 41 थी जिसमें 28 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार से कक्षा दसवीं का 68%रिजल्ट रहा। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं में कुल 46 विद्यार्थी थे जिसमें 39 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए और 12 वीं का 85% रिजल्ट रहा। जो की सराहनीय और संतोषजनक रहा। श्री रहांगडाले जी ने आगे और बताया कि सत्र 2024 25 में शासन की लैपटॉप योजना अंतर्गत विद्यालय में पात्र विद्यार्थियों की कुल संख्या 5 है। और शासन की स्कूटी योजना अंतर्गत लाभार्थी विद्यार्थी छात्र सागर/ धनेंद्र टेंभरे और छात्रा राशि /राजेंद्र मेश्राम है।

इनका रहा सराहनीय योगदान अच्छा रिजल्ट लाने के लिए विद्यालय के समस्त अध्यापकों और अभिभावकों ने बहुत मेहनत की। बच्चों को उचित मार्गदर्शन दिया और शाला परिवार का नाम रोशन किया। जिसमें प्राचार्य श्री शिवचरण मरावी, अध्यापक श्री हेमंत रहांगडाले, एस.ए.कुरैशी ,समीप इंदुरकर, कोकिला बिसेन, सुनील बिसेन, राखी बिसेन, त्रिवेणी टेंभरे, स्मृति मेश्राम, चंद्रिका प्रसाद पटले ,डी.एल. कटरे, प्रमिला कुशराम, अंजलि आसटकर, दुर्गा प्रसाद पंचेश्वर, उमेश निलजीवार, सरिता टेंभरे, राधिका नायक और भ्रत्य अशोक मेश्राम का विशेष योगदान रहा।

प्रशासनिक सेवा में जाने का है सपना -अदिति चौधरी

प्रेस चर्चा में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघोली की कक्षा दसवीं में अध्यनरत छात्रा अदिति चौधरी ने 96.4% अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्रा अदिति पिता चैनलाल चौधरी ने बताया कि कक्षा ग्यारहवीं में गणित विषय लेकर पढ़ाई करना है। और आगे चलकर प्रशासनिक सेवा में जाने का सपना है। मैंने यह सफलता बिना ट्यूशंस के सिर्फ शिक्षकों एवं माता-पिता के मार्गदर्शन पर प्राप्त किया है। और इन्होंने मुझे समय-समय पर मार्गदर्शन दिया। अभी तो यह प्रथम सीढ़ी है, मेरे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई कठिनाइयां आएगी , जिसका मुझे सामना करना है।

बीटेक इंजीनियरिंग करने का है सपना- सागर प्रेस चर्चा में छात्र सागर टेंभरे ने बताया कि बीते हुए वर्ष में मैंने कक्षा दसवीं में 95.02 प्रतिशत अंक पाकर स्कूल की ग्रामीण सूची में प्रथम स्थान पाया था और उस समय से मेरा सपना इंजीनियरिंग करने का था और इसी बात को ध्यान में रखकर मैंने कक्षा ग्यारहवीं में गणित, अति. जीव विज्ञान विषय लिया। और इस वर्ष कक्षा 12 वीं में 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान पाया। इस सफलता पर मेरे परिवार और शिक्षकों का बहुत बड़ा योगदान है। मैं आगे चलकर इंजीनियरिंग क्षेत्र में आईआईटी की तैयारी करूंगा और बीटेक करने का इरादा है।

माता-पिता और गुरुजनों का नाम बढ़ाना चाहती हूं-राशि मेश्राम प्रेस चर्चा में राशि मेश्राम ने बताया कि मेरे पिता राजेंद्र मेश्राम जो कि ग्राम के कोटवार हैं। और पिछले 10 वर्षों से लकवा ग्रसित है मेरे माता-पिता शिक्षित हैं, लेकिन आर्थिक तंगी में गुजरते हुए भी हम तीनों बहनों का पालन पोषण और अध्यापन कराया। बिकट स्थिति में भी मैंने कक्षा दसवीं में 91% अंक प्राप्त किया और इस वर्ष 82% जीव विज्ञान विषय मैं प्रथम स्थान लेकर प्राप्त किया। इसके प्रेरणा स्त्रोत मेरे माता-पिता और गुरुजन है। और मैं इनका आगे चलकर नाम रोशन करना चाहती हूं। मेरा उद्देश्य प्रशासनिक सेवा में जाने का है।

इनका कहना है-

कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम निश्चित ही संतोषजनक रहा है। मैं अपने विद्यालय के समस्त बच्चों को शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं । जो बच्चे जारी परीक्षा परिणाम में उत्तीर्ण नहीं हुए हैं वे आने वाले वक्त में कड़ी मेहनत कर इससे भी अधिक सफलता प्राप्त करेंगे।

शिवचरण मरावी . प्राचार्य , शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघोली लालबर्रा

ग्राम छोटी खट्टाली में पुलिस द्वारा खाटला बैठक आयोजित

खाटला बैठक मे बाल विवाह के प्रति जाग्रत करने का किया गया प्रयास

अलीराजपुर- पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल के मार्गदर्शन में आदिवासी अंचलों में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने एवं जनजागरूकता हेतु विभिन्न ग्रामों में खाटला बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 09 मई 2025 को एस.डी.ओ.पी. जोबट नीरज नामदेव के नेतृत्व में ग्राम छोटी खट्टाली (थाना जोबट) में खाटला बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित हुये। खाटला बैठक में उपस्थित ग्रामीणजनों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 की जानकारी देते हुए एसडीओपी श्री नामदेव द्वारा बताया गया कि भारत सरकार द्वारा बाल विवाह को दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है। इसके अंतर्गत लड़की की वैधानिक विवाह आयु 18 वर्ष तथा लड़के की 21 वर्ष निर्धारित की गई है। इससे पूर्व विवाह करना अथवा कराना विधि विरुद्ध है एवं ऐसा करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही हो सकती है।

खाटला बैठक में बाल विवाह से उत्पन्न होने वाले स्वास्थ्यगत, सामाजिक व मानसिक दुष्परिणामों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। साथ ही पुलिस द्वारा यह अपील की गई कि समाज में व्याप्त इस प्रकार की कुप्रथाओं का सभी मिलकर विरोध करें एवं किशोरावस्था में विवाह रोकने में प्रशासन का सहयोग करें। इसके अतिरिक्त बैठक में सड़क सुरक्षा नियमों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाना, शराब के प्रभाव में वाहन चलाना एवं बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण भी है। आमजन से आग्रह किया गया कि वे स्वयं एवं अपने परिजनों की सुरक्षा हेतु यातायात नियमों का पूर्णत: पालन करें।

खाटला बैठक में उपस्थितजनों को साइबर अपराधों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी प्रदान की गईं। विशेष रूप से यह समझाया गया कि ''डिजिटल अरेस्ट'' नामक कोई वैधानिक प्रक्रिया अस्तित्व में नहीं है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा मोबाइल/फोन के माध्यम से खुद को पुलिस अधिकारी बताकर पैसे की माँग की जाए, धमकाया जाए, टॉवर लगाने या नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे मांगे जाएँ तो ऐसे मामलों में आमजन तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दें। ऐसे साइबर ठगी से बचाव हेतु सतर्क रहना अति आवश्यक है। खाटला बैठक के अंत में पुलिस द्वारा उपस्थित बच्चों को चॉकलेट, पेन एवं कॉपियाँ वितरित की गईं। आयोजित खाटला बैठक मे थाना प्रभारी जोबट विजय वास्कले अपने स्टाफ सहित, ग्राम के सरपंच, पटेल, चौकीदार एवं अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नीमच जिले के सिंगोली के ज्वैलर्स को बीच रास्ते में बदमाशों ने लुटा

तीन आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

चित्तौड़गढ़/नीमच भैंसरोड़गढ़ थाना क्षेत्र में 17 अप्रैल को रावतभाटा निवासी ज्वेलर्स के साथ हुई सोने चादी के गहने व पांच लाख रूपये एव मोबाईल फोन को लुट का खुलासा करते हुए भैंसरोड़गढ़ थाना पुलिस ने घटना के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि 17 अप्रैल को रावतभाटा निवासी परेश सोनी पुत्र हरिदास सोनी उसकी सिगोली स्थित भावना ज्वैलर्स की दुकान से मोटर साईकिल पर अपने घर रावतभाटा जा रहा था, कि श्रीपुरा से आगे व पीर दरगाह से पहले उसकी मोटरसाईकिल को चार अज्ञात बदमाशों द्वारा रोड पर धक्का मारकर गिरा दिया तथा उसके साथ मारपीट व लुटपाट कर सोने चांदी के गहने व पांच लाख रूपये नगद एव मोबाईल फोन को लुटकर लेकर चले जाने के मामले मे लूट का प्रकरण दर्ज कर अनुसन्धान प्रारम्भ किया गया।

प्रकरण की गम्भीरता के मद्देनजर उक्त लूट की घटना का खुलासा करने व अज्ञात आरोपियों का पता लगाने एवं परेश सोनी के लूट कर ले गये सोने चांदी के जेबरात व पांच लाख रूपये बरामद करने के लिये एएसपी रावतभाटा भगवत सिह हिंगड व डीएसपी रावतभाटा कमल प्रसाद मीना के मार्गदर्शन में थानाधिकारी भैंसरोडगढ लक्ष्मीचन्द वर्मा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में थाने के एएसआई शम्भु लाल, कमलेश कुमार सउनि, नन्दकिशोर, कानि. धर्मेन्द्र सिंह, ओकेश कुमार, प्रकाश, राजेश कुमार, नरेन्द्र सिह, कैलाश चन्द्र, सोनुराम, दीपक कुमार व राजेन्द्र कुमार की टीम का गठन किया।

जिन्होने लगातार प्रयास कर साईबर सैल के कानि. रामावतार व रामनरेश की टीम की तकनिकी सहायता के आधार पर प्रकरण का खुलासा कर अज्ञात बदमाशों का पता लगाया जाकर प्रकरण में आरोपी बेगूं थाने के मण्डावरी निवासी दिलीप कन्जर पुत्र शम्भु लाल कन्जर को बापर्दा, बेगूं थाने के ही निवासी राजू मेवाडा पुत्र मनोहर लाल मेवाडा कलाल व एमपी के नीमच जिले के धनगाव थाना सिगोली निवासी बबलु चौधरी पुत्र बन्शीलाल मेवाडा कलाल को गिरफतार किया जाकर न्यायालय रावतभाटा में पेश किया जो पुलिस अभिरक्षा में चल रहे। आरोपियों से लूट के माल व रुपयों की बरामदगी के प्रयास जारी होकर शेष वांछित आरोपियों की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार शुदा आरोपियों से पूछताछ कर अनुसंधान जारी है।

रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा आजीविका मिशन का अधिकारी.... लोन दिलाने के नाम पर मांगे थे रुपए

छिंदवाड़ा- जिले के मोहखेड़ विकासखंड में शुक्रवार को लोकायुक्त टीम ने मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लॉक मैनेजर राजीव चौधरी को रिश्वत लेते पकड़ा है। मैनेजर 10 हजार रुपए की रिश्वत ले रहे थे प्राथमिक जानकारी के अनुसार, राजीव चौधरी ने योजना से संबंधित ऋण स्वीकृति दिलाने के एवज में महिला स्व सहायता समूह से रिश्वत मांगी थी महिला समिति समूह ने 10 हजार रुपए की मांग की थी। शिकायत लोकायुक्त कार्यालय तक पहुंची, जिसके बाद टीम ने योजना बनाकर ट्रैप की कार्रवाई की। जैसे ही चौधरी ने रिश्वत की रकम ली, टीम ने उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उन्हें उमरानाला रेस्ट हाउस लाया गया, जहां आगे की पूछताछ और दस्तावेजी कार्रवाई जारी है। लोकायुक्त की इस कार्रवाई से सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया है। फिलहाल अधिकारी से पूछताछ जारी है और मामले में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

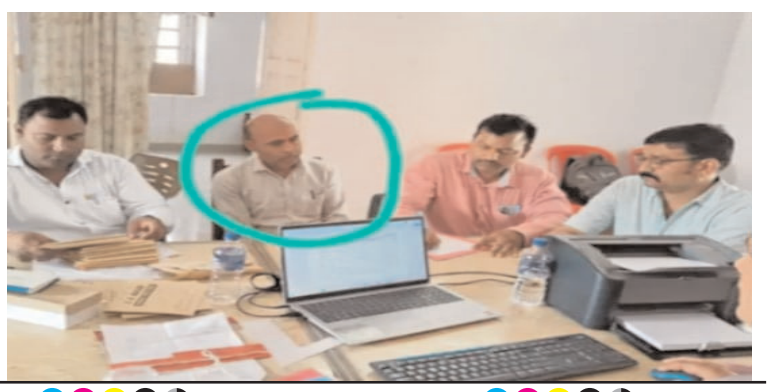

संविधान को साक्षी मानकर किया दाम्पत्य जीवन की शुरुआत की

गांव में हुई एक अनूठी पहल

खरगोन

खरगोन जिले की कसरावद तहसील के ग्राम भोपाड़ा में शुक्रवार को एक अनूठी पहल कर शादी समारोह संपन्न हुआ, न सात फेरे न सात वचन, संविधान को साक्षी मानकर किया विवाह, दुल्हा दुल्हन ने स्टेज पर महामानव तथागत गोतम बुद्ध, संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर जी के छाया प्रति पर माल्यार्पण कर उपासिका मनीषा, काजल और उपासक राम, कारण ने

सपथ लेकर विवाह किया। उपासीका मनीषा, काजल ने बताया कि यह एक नई पहल हैं, जिसको करने के लिए काफ़ी संघर्ष करने पर ही अंजाम दिया जाता है, चली आई परंपराओ से हट कर नई पहल से करना काफ़ी संघर्शील होता है। आगे उन्होंने ने बताया कि आज हम जो कुछ भी है संविधान निर्माता के बदौलत है, हमे उनके बताए गए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए और अपने जीवन में अमल में लाना चाहिए।

बुद्ध वंदना और सविधान की सपथ रामटेके और संतोष पंचोली ने दिलवाई। भमोरिया ने इस नई पहल पर हर्ष जताया और सभी का आभार व्यक्त किया।

भाजपा धार नगर सेनापति मंडल और कुशाभाऊ ठाकरे मंडल कार्यकारिणी घोषित

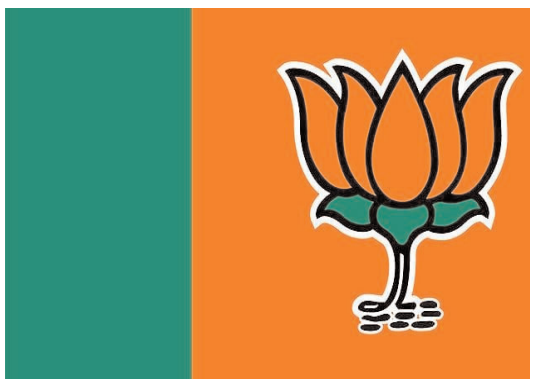

धार। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती की सहमति से धार विधानसभा के सेनापति मंडल और कुशाभाऊ ठाकरे नगर मंडल अध्यक्ष ने अपनी मंडल समिति की घोषणा की गई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि दोनों मंडल पदाधिकारी इस प्रकार हैं – सेनापति मंडल महामंत्री अमित शर्मा और श्रीमती सीमा सोनी, उपाध्यक्ष – लक्ष्मी बाई नरोले रंजना राठौड़ विजेंद्र ठाकुर महेश तुलसीराम बोडने चंचल पालोड़िया,मंडल मंत्री दिनेश चौहान जीवन यादव अंकित जैन,दिनेश चौहान,हर्ष शैलेन्द्र यादव, कोषाध्यक्ष मनीष साधु सह –कोषाध्यक्ष मनोहर लोहार कार्यालय मंत्री शैलेन्द्र चौरसिया सह कार्यालय मंत्री महेश कदम मंडल मीडिया प्रभारी विशाल माली सहमीडिया प्रभारी शुभम उपाध्याय आईटी सेल प्रभारी नवीन भंवर सह आईटी सेल प्रभारी मुनेन्द्र तिवारी मन की बात प्रभारी अनिता बौरासी सह प्रभारी पंकज मेरवानी को बनाया गया है।

इसी प्रकार कुशाभाऊ ठाकरे मंडल पदाधिकारी है – मंडल महामंत्री राकेश रॉकी आहूजा और सुरेश प्रजापत मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र राठौड़ मनीष चौहान केशव अग्रवाल अभिषेक मिश्रा सुश्री प्रतिभा शर्मा चैतन्य राठौर नगर मंडल मंत्री अतुल फकीरा संतोष कुशवाहा पप्पू डामोर मांगीलाल जमुना बघेल श्रीमती सागर परमार कोषाध्यक्ष रवि देवासकर कार्यालय मंत्री अंकित वर्मा सह कार्यालय मंत्री विष्णु राठौर मंडल मीडिया प्रभारी राजेश सिसोदिया आईटी प्रभारी अनिल राठौड़ सोशल मीडिया प्रभारी तन्मय जैन मन की बात प्रमुख अजय गावड़े व्हाट्सएप ग्रुप प्रमुख राजेश डोड लाभार्थी प्रमुख देवेंद्र शर्मा बीएलए प्रमुख नितिन चौहान को बनाया गया है।

विकास के मामले में नए आयाम स्थापित करेगी परिषद : श्रीमती देवरिया

साठ लाख से बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ

रतलाम पिपलियामंडी नगर परिषद विकास कार्यों के मामले में नित नए आयाम स्थापित करने में लगी हुई है। जनहित के कामों को अपनी प्राथमिकता में सम्मिलित कर यह परिषद उन्हें क्रियान्वित करने में जुट गई है। यह सीसी रोड बनने से वार्डवासियों के साथ ही अन्य लोगों को आवागमन में सुविधा होगी।

उक्त विचार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया ने शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 2 व 3 में सीसी रोड निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किए। ज्ञात रहे कि भाजपा समर्थित इस नगर परिषद ने शहर के वार्डों में सड़कों की दयनीय दशा को देखते हुए उनके कायाकल्प का संकल्प लिया था। यही कारण है कि परिषद द्वारा बिना भेदभाव के पिपलियामंडी के सभी वार्डों में सड़कों की सुध ली जाकर डामरीकरण व सीसी रोड निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। इसके तहत नगर के वार्ड क्रमांक 2 व 3 में फाटक मोहल्ला में सीसी रोड के निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ। इस पर अनुमानित 60 लाख रुपये खर्च होंगे। इस बारे में जानकारी देते हुए नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया ने बताया कि नगर के अमूमन सभी वार्डों की गली, मोहल्लों के पहुंच मार्गों पर डामरीकरण व सीसी सड़क निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इसमें से कई क्षेत्रों में सड़कों का डामरीकरण व सीसी कार्य पूर्ण हो चुका है। जिन वार्डों में कार्य अपूर्ण है वहां भी शीघ्र कार्य पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विकास की श्रृंखला में आज नगर के शीतला माताजी मंदिर से हेमंत प्रजापति के मकान तक तथा कुन्दा बा कुम्हार के घर से होकर मेन रोड तक सीसी सड़क निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। आपने कहा कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं हमारे लाडले विधायक जगदीश देवड़ा के आशीर्वाद से नगर परिषद पिपलियामंडी विकास के मामले में नई ऊंचाइयां छुएगी। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने ही नगर की आंतरिक सड़कों का भूमिपूजन करते हुए करोड़ों रुपए की राशि स्वीकृत की थी। श्रीमती देवरिया ने बताया कि परिषद के प्रयास है कि एक भी वार्ड की सड़क नवीनीकरण से वंचित नहीं रहे। इस अवसर पर वार्ड पार्षद व सभापति श्रवण चौहान,श्रीमती संतोष गोवर्धन नाथ योगी, सभापति ललित कसेरा, श्रीमती संगीता संजय धनोतिया, पार्षद बलराम सोलंकी, अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया, कमल तिवारी टोनु,गोवर्धननाथ योगी,नप अधिकारी प्रवीण सेन, कर्मचारी महावीर जैन सहित रहवासी मौजूद रहे।

माली समाज ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया पुरूस्कृत

रतलाम ढोढर के शनि मंदिर प्रांगण में आयोजित समारोह में क्षेत्र के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरुस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर कक्षा 10 वीं व 12 वीं में 60त्न से अधिक अंक लाने वाले माली समाज के साथ ही अन्य प्रतिभावान बालक-बालिकाओं को पुरूस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सभी बालक-बालिकाएं, उनके माता पिता व समाजजन उपस्थित रहे। समारोह समाज के बालमुकुंद माली दलौदा राष्ट्रीय अध्यक्ष माली समाज, सरपंच जगदीश माली ढोढर, पुष्कर नाहटा ढोढर, परभुलाल मकवाना माननखेडा, मांगीलाल चौहान ढोढर के आतिथ्य मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शारदा विद्या मंदिर पिपलिया जोधा के बालक बालिका को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मोतीलाल माली ने किया। नाथूलाल कबड्डी पूर्व सरपंच, जगदीश माली, रामप्रसाद माली, गोपाल जी माली बगदीराम माली, मुकुल लाल लाइनमैन, बाबूलाल नाहर, कन्हैयालाल माली, पिपलिया जोधा से शारदा विद्या मंदिर के संचालक भारत सिंह,भरत दास बैरागी, नगर अध्यक्ष भाजपा जयप्रकाश पाटीदार उपस्थित रहे। आभार पुष्कर नाहटा ने माना।

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की पहल रंग लाई

पिपलियामंडी शासकीय कॉलेज की बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु राशि स्वीकृत

रतलाम

मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पिपलियामंडी नगर के शासकीय महाविद्यालय की बाउंड्रीवाल जल्द ही आकार लेगी। इस पर भारी-भरकम राशि खर्च होगी। बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा लंबे अरसे से प्रयासरत थे।आखिरकार उनकी पहल रंग लाई और प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव व उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार द्वारा यहां स्थित पंडित अटलबिहारी वाजपेयी महाविद्यालय की बाउंड्रीवाल को बनाने के लिए एक करोड़ 68 लाख 70 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई। यहां यह भी गौरतलब है कि मौजूदा उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के प्रयासों के परिणामस्वरूप पिपलियामंडी नगर के कनघट्टी रोड़ पर वर्ष 2017-18 में शासकीय महाविद्यालय का निर्माण हुआ था। इसके बाद देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटलबिहारी वाजपेयी के नाम पर इसका नामकरण किया गया। पिपलियामंडी में महाविद्यालय की कमी

नगर के साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को विगत कई वर्षों से खल रही थी। इसके अभाव में उनके छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु मंदसौर या नीमच की ओर रुख करना पड़ता था। क्षेत्र के जनप्रिय नेता श्री देवड़ा के अथक परिश्रम के चलते पिपलियामंडी में महाविद्यालय प्रारंभ हो पाया। यहां विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए श्री देवड़ा ने पुनः राशि स्वीकृत करवाकर वर्ष 2022 में इसी महाविद्यालय के समीप ही रिक्त पड़ी शासकीय भूमि पर एक ओर भवन का निर्माण करवाया। लेकिन राशि के अभाव में इसकी बाउंड्रीवाल का कार्य अधर में लटक गया। हालांकि उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा महाविद्यालय की बाउंड्रीवाल के निर्माण को लेकर लगातार जुटे रहे। अंततः उनकी कोशिश कामयाब हुई। बाउंड्रीवाल बनने से जहां कॉलेज परिसर में मवेशी व अन्य जानवर विचरण नहीं कर सकेंगे। वहीं यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सुरक्षित माहौल मिलेगा। इसके अलावा कॉलेज की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इस सौगात पर नगरवासियों, कॉलेज स्टॉफ व विद्यार्थियों ने हर्ष जताया है। पिपलियामंडी नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया, उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा सहित परिषद के साथियों ने महाविद्यालय की बाउंड्रीवाल के निर्माण हेतु उक्त राशि स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री श्री यादव, उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा व उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सुशासन तिहार का समाधान शिविर नक्सल प्रभावित ग्राम किस्टाराम में हुआ सम्पन्न

सुकमा

समाधान शिविर में महिला आयोग सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

सुश्री शोरी की उपस्थिति में दी गई निराकरण की जानकारी

सुकमा- सुशासन तिहार के समाधान शिविर के अंतर्गत कोंटा विकासखण्ड के नक्सलप्रभावित ग्राम पंचायत किस्टाराम में आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्या अधिवक्ता दीपिका शोरी, जनपद अध्यक्ष कोंटा जानकी कवासी,जनपद सदस्य सुश्री पंडा सहित तहसीलदार गिरीश निम्बालकर, जनपद सीईओ नारद मांझी,बीइओ श्रीनिवास राव एवं अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिक व जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी,कर्मचारियों की उपस्थिति में कलस्टर पंचायत में शामिल किस्टारम,सिंदुरगुड़ा,पालाचलमा,कर ीगुंडम,पोटकपल्ली इन 5 पंचायतों के ग्रामीणों को उनके आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी गई। समाधान शिविर में सभी विभागों के जिला, अनुविभाग एवं खण्डस्तरीय अधिकारी अपने विभागीय स्टाल के साथ उपस्थित रहे। समाधान शिविर में ग्रामीणों ने अपने मन की बात की व इस दौरान कुछ ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और माँग के संबंध में भी जानकारी दी।

ग्रामीणों ने की नवीन छात्रावास के दुर्दशा की शिकायत दीपिका ने एसडीएम को जांच करने दिए निर्देश ग्रामीणों ने संवाद के दौरान राज्य महिला आयोग से किस्टारम में 2023 निर्मित छात्रावास के गुणवत्ताहीन निर्माण की शिकायत की जिस पर सुश्री शोरी ने तत्काल भवन जाकर अवलोकन किया जहां जगह जगह से टाइल्स उखड़ गए हैं, सीपेज हो रहा है जिसके कारण दीवारों में काई लग गई है वायरिंग को भी दीवार पर क्लिप के माध्यम से टांग दिया गया है व वायरिंग के बीच से ही पानी का रिसाव भी हो रहा है जो आने वाले समय में किसी बड़े दुर्घटना का कारण भी हो सकता है इस पर उन्होंने मौके पर मौजूद एसडीएम कोंटा को बुलाकर निर्देश दिया कि चाहे कितना भी रसूख वाला हो कोई भी बड़ा से बड़ा ठेकेदार हो जल्द ही इस भवन को बनाने वाले ठेकेदार पर उचित कार्यवाही करें अब समय बदल गया है भ्रष्टाचार सहन नहीं होगा एवं स्वयं सुकमा कलेक्टर से इस सम्बंध में शिकायत करने की बात की।

इस दौरान ग्रामीणों ने सुश्री दीपिका से सीधा संवाद किया और पेयजल आपूर्ति की भी शिकायत की जिस पर एसडीओ पीएचई को मौके पर बुलाकर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश देकर पेयजल व्यवस्था जल्द दुरुस्त करने हेतु कहा। शिविर में विभागीय अधिकारियों ने बारी-बारी से मंच पर आकर अपने विभाग से संबंधित प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या, आवेदक का नाम, निराकृत आवेदनों एवं खारिज किए गए आवेदनों की जानकारी विस्तार से दी। इस समाधान शिविर में पंचायतों के ग्रामीणों को उनके आवेदन निराकरण की स्थिति से अवगत कराया गया। ग्रामीणों द्वारा मांग से संबंधित आवेदनों में मुख्य रूप से पीएम आवास, पेयजल की समस्या, वन अधिकार पत्र, फौती, बटवारा, नामांतरण, अहाता निर्माण, नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र, महतारी वंदन योजना का लाभ, मुर्गी पालन, बकरी पालन, सीसी रोड, मिट्टी-मुरूम रोड, नाली, पुलिया आदि मांग शामिल है। सुश्री शोरी ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अब समय बदल रहा है विष्णु देव की सरकार चाहती है कि योजनाओं का मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन हो एवं हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जावे इस कारण तीन चरणों में सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। आपके कोंटा विकासखंड में समाधान शिविर लगाकर आवेदकों को उनके आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी जा रही है। जैसे शासन आप सभी का मदद कर रही है ठीक उसी प्रकार आप सभी भी शासन का साथ दें सही और गलत का पहचान करें सही का साथ दें तभी आपके पंचायत आपके गाँव का विकास होगा ,ग्रामीणों को जनपद अध्यक्ष जानकी कवासी एवं तहसीलदार गिरीश ने भी सम्बोधित किया

हजारों की उपस्थित बता रही है किबदलाव की ब्यार चल रही है- दीपिका समाधान शिविर में पांच पंचायत के हजार से भी अधिक लोगों की उपस्थित पर दीपिका ने कहा कि यह उपस्थिति देख कर ही पता चलता है की बदलाव की बयार चल रही है लोग अब प्रशासन पर विस्वास कर रहें है अन्य आतंकी शक्तियों पर नहीं ,यही वह स्थान है जहाँ बुलाने पर लोग नहीं आते थे आज स्वयं सड़क,पुल, पुलिया,सीसी सड़क,स्कूल,अस्साल, आंगनबाड़ी भवन,बाउंड्री वाल की मांग कर रहे है प्रदेश के मुखिया विष्णु देव् साय, ग्रह मंत्री विजय शर्मा बहुत ही संवेदनशील है इन क्षेत्रों में बहुत जल्द ऐसा समय भी आएगा जब चारो ओर खुशहाली ही खुशहाली नजर आएगी।

100 करोड़ी बनी 'रेड 2', जानिए 'केसरी 2' सहित अन्य फिल्मों का हाल

अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' ने शुक्रवार को 100 करोड़ का कलेक्शन पूरा कर लिया। वहीं, अक्षय कुमार की 'केसरी 2' की कमाई में लगातार गिरावट जारी है। दक्षिण भारतीय फिल्म 'हिट 3' भी शुक्रवार को कुछ खास कलेक्शन नहीं कर पाई है। जानते हैं किस फिल्म ने शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया शुक्रवार को कमाई में बढ़त हासिल करते हुए 'रेड 2' ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। फिल्म ने यह आंकड़ा रिलीज के नौवें दिन छुआ है। इसी के साथ अजय देवगन की एक और फिल्म 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है। फिल्म ने शुक्रवार को 5.16 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। 'रेड 2' ने बॉक्स ऑफिस पर 19.25 करोड़ कलेक्शन के साथ अपनी शुरुआत की। पहले सप्ताह में फिल्म ने 95.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अब रिलीज के नौवें दिन फिल्म ने 100.94 करोड़ रुपये का कारोबार पूरा कर लिया है। अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी 2' की कमाई में लगातार गिरावट जारी है। जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत में बनी है। फिल्म ने अब तक 83.92 करोड़ रुपये की कमाई की है। शुक्रवार को फिल्म ने महज 57 लाख रुपये का कारोबार किया। फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह फ्लॉप होने की ओर बढ़ रही है। दक्षिण भारतीय फिल्म 'हिट 3' की कमाई में भी शुक्रवार को कमी आई। फिल्म ने रिलीज के नौवें दिन 1.77 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म के कुल कलेक्शन की बात की जाए तो इसने अब तक 65.28 करोड़ रुपये की कुल कमाई की है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच, बीआरएस नेता के कविता ने की मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता रद्द करने की मांग

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते अब देश में कई समारोहों को स्थगित किया जा रहा है। इस बीच अब तेलंगाना में होने वाली मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता पर भी खतरा मंडरा रहा है और इसे रद्द करने की मांग की जा रही है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता और एमएलसी के कविता ने राज्य सरकार से भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते तेलंगाना में होने वाली मिस वर्ल्ड ब्यूटी कंपटीशन को स्थगित करने का आग्रह किया है।

इससे गलत संदेश जाएगा इस बारे में एमएलसी कविता ने कहा, देश में युद्ध जैसे माहौल के दौरान राज्य में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता आयोजित करना सही नहीं होगा। आईपीएल के रद्द किए जाने का उदाहरण देते हुए कविता ने तेलंगाना को ऐसे आयोजनों के लिए होने वाली आलोचना की चेतावनी दी, क्योंकि देश इस समय गंभीर सुरक्षा चिंताओं का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा ऐसे में हमें बुद्धिमानी से काम लेना चाहिए और इससे बचना चाहिए, वर्ना इससे गलत मैसेज जाएगा।

सेना के समर्थन में के कविता ने निकाली रैली बीते दिन ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में और भारतीय सेना के साथ एकजुटता दिखाते हुए एमएलसी के कविता ने हैदराबाद में इंदिरा पार्क से आरटीसी क्रॉस रोड तक एक विशाल रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने सीमा पर अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान गंवाने वाले सैनिक मुरली नायक को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। साथ ही सेना के समर्थन में सभी जिलों में ऐसी रैलियां आयोजित करने की अपील भी की।

10 मई से 31 मई तक होगी मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता जाहिर है कि मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का 72वें संस्करण की शुरूआत इस बार 10 मई को हैदराबाद के गाचीबोवली के इनडोर स्टेडियम में एक भव्य समारोह के साथ होगी। जिसका समापन 31 मई को हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में होगा।

मुंबई में फिल्म निर्माता डॉ कृष्णांशु द्वारा फिल्म मीडिया सलाहकार के रूप में जीतेंद्र साहनी को किया गया सम्मानित !

मुंबई, बॉलीवुड इंडस्ट्रीज के पेज 1 एवम सतरंगी मीडिया एजेंसी के पी.आर और मीडिया सलाहकार हेड जीतेंद्र साहनी जीत को मुंबई स्थित जुहू में शोबिज मीडिया के फिल्म निर्माता डॉ कृष्णांशु द्वारा सम्मानित किया गया। जीतेंद्र साहनी जीत ने कहा कि यह पुरस्कार मेरी मां विप्ती देवी पिता स्वर्गीय रामचंद्र साहनी पत्नी सुशीलाजीत साहनी और मेरे परिवार और दोस्तों को समर्पित है। यह सम्मान कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है और यह दर्शाता है कि पी.आर क्षेत्र में भी कई चुनौतीपूर्ण रास्तों पर चलना पड़ता हैं। यह सम्मान फिल्म मीडिया परामर्श के क्षेत्र में प्रतिष्ठा और नाम को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। जीत कहते हैं कि डॉ कृष्णशु मेरे अच्छे दोस्तों में से एक हैं और सिनेमा उद्योग में एक प्रसिद्ध फिल्म फाइनेंसर और निर्माता हैं। वर्तमान में जल्द ही एक बेहतरीन रोमांटिक ड्रामा आधारित फिल्म शुरू करने जा रहे है।

होम्बले फिल्म्स की कंतारा: चैप्टर 1 के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग आज से हुई शुरू

होम्बले फिल्म्स की कंतारा: चैप्टर 1 2025 की सबसे बड़ी पैन इंडिया फिल्म है और 2022 की ब्लॉकबस्टर कंतारा की प्रीक्वल है!

मुंबई, 2022 में रिलीज हुई कंतारा ने पूरे देश में तहलका मचा दिया था। भारत की जड़ों से जुड़ी इस कहानी ने बिना किसी बड़े प्रमोशन के कमाल कर दिखाया और सबसे बड़ी स्लीपर हिट साबित हुई। अब इसी जबरदस्त सफलता के बाद कंतारा: चैप्टर 1 की तैयारी जोरों पर है और दर्शक इसके रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।पोस्टर ने पहले ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है और फिल्म अपने आप में भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। इसी बीच, जबरदस्त इंतजार के बीच कंतारा- चैप्टर 1 का फाइनल शूटिंग शेड्यूल शुरू हो चुका है।

कंतारा: चैप्टर 1 का आखिरी शेड्यूल आज से शुरू हो गया है। शूटिंग कुंडापुरा से करीब 20 किलोमीटर दूर हो रही है। ये फिल्म अपने फाइनल स्टेज में है और जल्द ही इससे जुड़े और अपडेट्स भी सामने आएंगे। होम्बले फिल्म्स ने 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कंतारा- चैप्टर 1 को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनाने के लिए जोरदार मेहनत की जा रही है। इसके लिए मेकर्स ने एक भव्य युद्ध सीन तैयार किया है, जिसे नेशनल और इंटरनेशनल

स्पेशलिस्ट्स की टीम ने मिलकर तैयार किया है। इस सीक्वेंस के लिए 500 से यादा ट्रेन्ड फाइटर्स को हायर किया गया है, जिन्होंने अब तक का सबसे अलग और धमाकेदार एक्शन सीन तैयार किया है। इस पावर-पैक्ड सीक्वेंस में 3000 से यादा लोगों ने हिस्सा लिया, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास के सबसे बड़े सीक्वेंसेज़ में से एक बनाता है। इतने बड़े सीन के लिए जबरदस्त तैयारी की जरूरत थी, इसलिए एक्टर-डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी ने 3 महीने तक घुड़सवारी, कलारीपयट्टू और तलवारबाजी की खास ट्रेनिंग ली। ऋषभ ने इस दमदार वॉर सीक्वेंस को परफेक्ट बनाने के लिए अपना पूरा दमखम लगा दिया है। इस बड़े सीन के लिए मेकर्स ने कर्नाटक के पहाड़ों में एक खास असली लोकेशन चुनी। करीब 25 एकड़ में फैले इस गांव में होम्बले फिल्म्स ने करीब 45-50 दिन तक शूटिंग की। अपनी बेहतरीन कहानी, शानदार विजुअल्स और दिल से दी गई परफॉर्मेंस के साथ कंतारा ने भारतीय सरहदों से भी बाहर के दर्शकों से भी खूब जुड़ाव बनाया। इसकी लोक परंपराओं की सची झलक और बेहतरीन कहानी ने इसे एक बड़ी हिट बना दिया, जिससे फिल्म ने दुनिया भर में एक मजबूत फैनबेस बना लिया है। असल में, कंतारा- चैप्टर 1 के साथ फिल्म का स्तर और भी ऊंचा जाने वाला है, जो दर्शकों को एक और ज़्यादा दिलचस्प सिनेमा का अनुभव देगा। अब, होम्बले फिल्म्स की कंतारा- चैप्टर 1, 2 अक्टूबर 2025 को रिलीज होने वाली है।

नोवाक जोकोविच जेनेवा ओपन में खेलेंगे, रोलां गैरां से पहले पहली क्ले खिताबी जीत का है लक्ष्य

नई दिल्ली, । नोवाक जोकोविच इस सीजन पहली क्ले कोर्ट जीत की तलाश में जेनेवा ओपन में उतरेंगे। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को पुष्टि की कि सर्बियाई स्टार 17 से 24 मई तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। यह फ्रेंच ओपन से पहले खिलाड़ियों के लिए अंतिम वार्मअप टूर्नामेंट है।

क्ले कोर्ट पर अब तक जीत नहीं छठे वरीयता प्राप्त जोकोविच इस साल यूरोपीय क्ले कोर्ट सीजन में अब तक जीत नहीं दर्ज कर सके हैं। वे मोंटे कार्लो और मैड्रिड ओपन में जल्दी बाहर हो गए थे। उनका रिकॉर्ड अब तक 0-2 का है। इस बार वे अपने करियर का 100वां खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे।

जेनेवा की चुनौती और जन्मदिन की उम्मीद जेनेवा ओपन में जोकोविच को नंबर 4 टेलर फ्रिट्ज़ और गत चैंपियन कैस्पर रूड जैसे खिलाड़ियों की चुनौती मिलेगी। रूड ने पिछले चार में से तीन संस्करणों में खिताब जीते हैं। दिलचस्प बात यह है कि जोकोविच अपना 38वां जन्मदिन (22 मई) एक बार फिर जेनेवा में मना सकते हैं।

पिछले साल से मिली सीख पिछले साल जोकोविच सेमीफाइनल में टॉमस मचाक से हार गए थे और फिर रोलां गैरां में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। हालांकि, उन्होंने कैस्पर रूड के खिलाफ मैच से पहले घुटने की चोट के कारण नाम वापस ले लिया था और उसी के चलते नंबर 1 रैंकिंग भी गंवा दी थी।

2031 संस्करण से 48 टीमों के साथ होगा महिला फीफा विश्व कप, फीफा ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। महिला फुटबॉल को वैश्विक स्तर पर और बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए फीफा ने शुक्रवार को घोषणा की कि 2031 से महिला विश्व कप में अब 32 के बजाय 48 टीमें हिस्सा लेंगी। फीफा परिषद ने वर्चुअल बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी।

2031 से नया फॉर्मेट, 104 मुकाबले होंगे फीफा के अनुसार, 48 टीमों के इस नए फॉर्मेट में 12 ग्रुप बनाए जाएंगे और कुल मैचों की संख्या बढ़कर 104 हो जाएगी, जो पुरुष विश्व कप 2026 के समान है। टूर्नामेंट की अवधि भी एक सप्ताह तक बढ़ा दी जाएगी। फिलहाल 2027 महिला विश्व कप ब्राजील में आयोजित होगा, जिसमें 32 टीमें भाग लेंगी। 2023 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हुए विश्व कप में पहली बार 32 टीमों ने हिस्सा लिया था।

फीफा अध्यक्ष ने कहा- यह महिला फुटबॉल के समग्र विकास का कदम फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने कहा, यह सिर्फ 16 अतिरिक्त टीमों को जोड़ने की बात नहीं है, बल्कि महिला फुटबॉल के समग्र विकास की दिशा में अगला कदम है। इससे अधिक फीफा सदस्य देशों को महिला फुटबॉल के ढांचे को विकसित करने का अवसर मिलेगा।

अमेरिका बन सकता है 2031 विश्व कप का मेज़बान बताया जा रहा है कि अमेरिका 2031 महिला विश्व कप की मेज़बानी के लिए एकमात्र बोलीदाता है। अगर इसकी पुष्टि होती है तो यह तीसरी बार होगा जब अमेरिका इस टूर्नामेंट की मेज़बानी करेगा। इससे पहले वह 1999 और 2003 में यह कर चुका है। वहीं, 2035 विश्व कप की मेज़बानी के लिए अकेले यूनाइटेड किंगडम ने बोली लगाई है। हालांकि दोनों टूर्नामेंट की मेज़बानी पर अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है।

एकतरफा मैचों की आशंका पर भी दी सफाई 48 टीमों के शामिल होने से संभावित एकतरफा मैचों की आशंका को लेकर भी इन्फैन्टिनो ने सफाई दी। उन्होंने कहा, 2023 विश्व कप ने दिखाया कि सभी कॉन्फेडरेशन की टीमें अब प्रतिस्पर्धी बन चुकी हैं। पहली बार सभी कॉन्फेडरेशन की टीमों ने कम से कम एक मैच जीता और पांच कॉन्फेडरेशन की टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचीं। फीफा का मानना है कि यह फैसला महिला फुटबॉल को विश्व स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मददगार होगा।

मो. अफजल ने तोड़ा पुरुषों के 800 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड, दुबई में रचा इतिहास

केन्या के निकोलस किप्लागट रहे विजेता, अफजल रहे दूसरे स्थान पर

दुबई। एशियाड सिल्वर मेडलिस्ट मोहम्मद अफजल ने शुक्रवार को दुबई में आयोजित यूएई एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों के 800 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना डाला। अफजल ने 1 मिनट 45.61 सेकंड में रेस पूरी कर 2018 में जिन्सन जॉनसन द्वारा बनाए गए 1:45.65 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

केन्याई धावक ने मारी बाज़ी, अफजल रहे दूसरे 29 वर्षीय अफजल ने यह कारनामा वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर के ब्रॉन्ज लेवल मुकाबले में किया, जो दुबई पुलिस स्टेडियम में आयोजित हुआ था। हालांकि वे रेस में केन्या के निकोलस किप्लागट से पीछे रह गए, जिन्होंने 1:45.38 सेकंड में रेस जीत ली।

वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन समय नहीं छू सके हालांकि अफजल ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड तो बनाया, लेकिन वह 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन टाइम 1-44.50 सेकंड को पार नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने 2023 हांगझो एशियन गेम्स में 800 मीटर में सिल्वर मेडल जीता था, जहां उनका समय 1:48.43 सेकंड था।

200 मीटर में अनिमेष कुजुर का जलवा दूसरी ओर, राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अनिमेष कुजुर ने 200 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 20.45 सेकंड में जीत दर्ज की। कुजुर इससे पहले 2025 फेडरेशन कप में 20.40 सेकंड का समय लेकर अमलान बोर्गोहेन का तीन साल पुराना रिकॉर्ड (20.52 सेकंड) तोड़ चुके हैं।

बोर्गोहेन रहे पांचवें स्थान पर इस प्रतियोगिता में बोर्गोहेन 21.08 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रहे।

सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार से रहें सावधान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नागरिकों से इस समय सोशल मीडिया पर हो रहे दुष्प्रचार से सावधान रहने की अपील की है। सरकार ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के तेज होने पर भारतीय सैनिकों के रोने और चौकियां छोड़ने की सोशल मीडिया पोस्ट को फर्जी बताते हुए खारिज कर दिया। सरकार ने कहा कि श्रीनगर हवाई अड्डे के आसपास करीब 10 विस्फोट होने और जयपुर एयरपोर्ट पर विस्फोट की आवाज सुने जाने के दावे पूरी तरह फर्जी हैं। एक भारतीय पोस्ट को नष्ट करने का दावा भी निराधार है। इसके अलावा दिल्ली-मुंबई एयरलाइन मार्ग पर सेवाएं अस्थायी रूप से बंद होने का दावा असत्य है। दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट के कुछ हिस्सों को बंद करने की अवधि बढ़ाने की बात पूरी तरह बेबुनियाद है। भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की फैक्ट चेक शाखा ने सोशल मीडियो पर प्रसारित इस सामग्री की जांच की। पीआईबी की पड़ताल में ऐसे दावे फर्जी पाए गए। पीआईबी ने सैनिकों के रोने वाले पुराने वीडियो पर अलर्ट जारी किया गया है। इसमें दावा किया जा रहा है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के तेज होने पर भारतीय सैनिक रो रहे हैं और अपनी चौकियां छोड़ रहे हैं। पीआईबी की फैक्ट चेक शाखा ने कहा कि यह वीडियो 27 अप्रैल को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया गया और इसका भारतीय सेना से कोई संबंध नहीं है। सच यह है कि वीडियो में एक निजी रक्षा कोचिंग संस्थान के छात्र भारतीय सेना में अपने चयन का जश्न मनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दिख रहे युवा अपनी सफल भर्ती की खबर पाकर खुशी से भावुक हो गए। पीआईबी की फैक्ट चेक शाखा ने कहा कि एजेंइग्लिश ने दावा किया कि ने दावा किया है कि जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर हवाई अड्डे के आसपास करीब 10 विस्फोट हुए हैं। यह दावा फर्जी है। प्रामाणिक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें। भ्रामक और भ्रम पैदा करने के इरादे से किए गए इन झूठे दावों के झांसे में न आएं। पीआईबी के अनुसार ऐसा ही एक दावा जयपुर एयरपोर्ट के बारे में किया गया। जयपुर एयरपोर्ट पूरी तरह सुरक्षित है। वहां कोई विस्फोट नहीं हुआ। पत्र एवं सूचना कार्यालय की फैक्ट चेक टीम ने एक प्रोपेगैंडा पर अलर्ट भी जारी किया है। टीम ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट में झूठा दावा किया गया है कि एक भारतीय पोस्ट को नष्ट कर दिया गया है। यह दावा फर्जी है।यह वीडियो पुराना है और ऑपरेशन सिंदूर के बाद की किसी गतिविधि से संबंधित नहीं है। यह वीडियो मूल रूप से 15 नवंबर 2020 को यू-ट्यूब पर अपलोड किया गया था। फैक्ट टीम शाखा ने कहा कि यह भी दावा किया जा रहा है कि दिल्ली-मुंबई एयरलाइन मार्ग पर सेवाएं अस्थायी रूप से बंद हैं। यह दावा भी झूठा है। सच यह है कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने परिचालन कारणों से दिल्ली और मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्रों के भीतर हवाई यातायात सेवा (एटीएस) मार्गों के 25 खंडों को अस्थायी रूप से बंद करने की अवधि बढ़ाई है।

ट्रंप की छंटनी योजना पर अदालत ने लगाई अस्थाई रोक

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया की एक संघीय न्यायाधीश ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया छंटनी प्रस्ताव पर दो सप्ताह के लिए अस्थाई रोक लगा दी। राष्ट्रपति के इस आशय के प्रस्ताव को कई संघीय अदालतों में चुनौती दी गई है। संघीय न्यायाधीश के इस आदेश का ट्रंप प्रशासन के छंटनी प्रस्तावों पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने दो दर्जन एजेंसियों में छंटनी की योजना तैयार की है। कैलिफोर्निया के उत्तरी जिले के संघीय जिला न्यायालय की न्यायाधीश संघीय न्यायाधीश सुसान इल्स्टन के इस आदेश से प्रशासन को तगड़ा झटका लगा है। न्यायाधीश ने ऐसे प्रस्ताव को अवैध बताया। इस आदेश पर राष्ट्रपति ट्रंप के शीर्ष सहयोगी स्टीफन मिलर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अदालतों को बेवजह दखल नहीं देना चाहिए। ट्रपं प्रशासन ने एक एजेंसी के तीन डेमोक्रेटिक सदस्यों को भी बर्खास्त करने का प्रस्ताव तैयार किया है।

न्यायाधीश ने आपातकालीन सुनवाई के कुछ ही घंटों बाद फैसला सुनाया। न्यायाधीश सुसान ने प्रशासन को बड़े पैमाने पर छंटनी के साथ-साथ कार्यालयों और कार्यक्रमों को बंद करने के प्रयासों को रोकने का आदेश दिया। कांग्रेस ने संघीय सरकार को खुद को पुनर्गठित करने के लिए एक विशिष्ट प्रक्रिया स्थापित की। मुकदमे के पीछे यूनियनों और संगठनों ने तर्क दिया है कि राष्ट्रपति के पास विधायी शाखा के बिना उन निर्णयों को लेने का अधिकार नहीं है। न्यायाधीश इल्स्टन ने 42 पृष्ठ के आदेश में लिखा, नई नीति में प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाना और संघीय सरकार पर अपनी छाप छोड़ना राष्ट्रपति का विशेषाधिकार है। लेकिन संघीय एजेंसियों के बड़े पैमाने पर बदलाव करने के लिए किसी भी राष्ट्रपति को अपनी समान शाखा और भागीदार, कांग्रेस की मदद लेनी चाहिए।

भारत और पाकिस्तान के बीच रात भर हुआ हवाई संघर्ष, कई मिसाइल हमले नाकाम

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को रात भर हवाई संघर्ष हुआ है, जिसके बारे में भारतीय सेना सुबह 10 बजे साउथ ब्लॉक में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अधिकृत जानकारी देगी। पाकिस्तान ने रात में भारत के गुजरात, आदमपुर, अंबाला, उधमपुर, पठानकोट और जालंधर में सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की है, लेकिन भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों को नाकाम किया है। जवाब में भारत ने भी पाकिस्तान के कई एयरबेस पर कार्रवाई की है। इस्लामाबाद, लाहौर और रावलपिंडी में चार एयरबेस के पास विस्फोट की खबरें हैं। इसी के बाद पाकिस्तान ने अपना एयर स्पेस बंद करके सभी तरह की उड़ानों पर रोक लगाई है।

भारतीय सेना ने शुक्रवार रात को जम्मू-कश्मीर के बारामूला से गुजरात के भुज तक 26 स्थानों पर पाकिस्तान के हालिया ड्रोन हमलों के बारे में जानकारी देने के लिए शनिवार तड़के 5.45 बजे साउथ ब्लॉक में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। इसी बीच भारतीय और पाकिस्तानी वायु सेना के बीच श्रीनगर, जम्मू और पंजाब के कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में हवाई लड़ाई हुई। इसलिए यह प्रेस कॉन्फ्रेंस सुबह 10 बजे तक के लिए टाल दी गई। पाकिस्तान ने भारत के गुजरात, आदमपुर, अंबाला, उधमपुर, पठानकोट और जालंधर में भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की है। पाकिस्तान ने भारत की ओर फतेह-2 और फतेह-1 मिसाइल दागी, लेकिन भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने इन मिसाइलों को आसमान में ही मार गिराया। पाकिस्तान से दिल्ली की ओर दागी गई फतेह-2 मिसाइल को सिरसा (हरियाणा) में रोक लिया गया। पाकिस्तान ने जम्मू में हिंदू समुदाय के प्रसिद्ध आप शंभू मंदिर को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन हमले को नाकाम कर दिया गया। मिसाइल मंदिर के गेट के पास गिरी, जिससे पवित्र स्थान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। राजौरी में पाकिस्तानी हमले में घायल एक नागरिक को आज इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है। श्रीनगर और आस-पास के इलाकों में सेना ने सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली सक्रिय की है। पाकिस्तान की गोलाबारी के कारण जम्मू शहर के नागरिक इलाकों को नुकसान पहुंचा है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में जोरदार धमाके की आवाजें सुनी जा रही हैं। राजौरी में जोरदार धमाके के बाद धुआं उठता दिखाई दे रहा है और क्षेत्र में लगातार विस्फोटों के बाद मकान और संपत्ति क्षतिग्रस्त हुए हैं।

पाकिस्तान की ओर से किये गए हवाई हमलों के जवाब में भारत ने भी पाकिस्तान के चार एयरबेस पर कार्रवाई की है। पाकिस्तान में कम से कम 4 एयरबेसों को भारतीय हमलों में निशाना बनाया गया है। इस्लामाबाद, लाहौर और रावलपिंडी में एयरबेस के पास विस्फोट की ख़बरों के बीच भारत की जवाबी कार्रवाई में इस बात का ध्यान रखा गया है कि शहरी आबादी को कोई नुकसान न पहुंचे।

भारत-पाकिस्तान के बीच और तेज हुआ हवाई संघर्ष, पीओके में आतंकवादी लॉन्च पैड नष्ट

पाकिस्तान के घूमने वाले विस्फोटक ड्रोन को गुजरात के कच्छ सेक्टर में मार गिराया

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच आज तड़के से हवाई संघर्ष तेज हो गया है। पाकिस्तान के हवाई लक्ष्यों को लगातार भारतीय डिफेंस और रडार सिस्टम के जरिये नाकाम किया जा रहा है। भारतीय सेना ने पीओके में पाकिस्तानी चौकियों और आतंकवादी लॉन्च पैडों को नष्ट कर दिया है। यहीं से पाकिस्तान आर्म्ड ड्रोन लॉन्च करके भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा था। पाकिस्तान के घूमने वाले विस्फोटक ड्रोन को भारतीय सेना ने गुजरात के कच्छ सेक्टर में एल-70 वायु रक्षा तोपों की मदद से सफलतापूर्वक मार गिराया है। पाकिस्तान ने पंजाब के अमृतसर में बाइकर कामिकेज ड्रोन लॉन्च किए, जिससे पंजाब के रिहायशी इलाकों को खतरा पैदा हो गया। आज सुबह 5 बजे सेना की एयर डिफेंस गन ने इस प्रयास को विफल कर दिया, जिससे ड्रोन हवा में ही नष्ट हो गया। ड्रोन का लक्ष्य नागरिक इलाकों और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना था। रक्षा अधिकारियों ने जानकारी दी कि पाकिस्तानी सेना की एक लूटिंग म्युनिशन (घूमने वाला विस्फोटक ड्रोन) को भारतीय सेना ने गुजरात के कच्छ सेक्टर में एल-70 वायु रक्षा तोपों की मदद से सफलतापूर्वक मार गिराया है। पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमलों और अन्य हथियारों के साथ हमारी पश्चिमी सीमाओं पर लगातार हमले जारी हैं। ऐसी ही एक घटना में आज सुबह लगभग 5 बजे अमृतसर के खासा कैंट के ऊपर दुश्मन के कई हथियारबंद ड्रोन उड़ते देखे गए। हमारी वायु रक्षा इकाइयों ने तुरंत ही दुश्मन के ड्रोनों को घेर लिया और उन्हें नष्ट कर दिया। भारतीय सेना ने बयान में कहा कि भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करने और नागरिकों को खतरे में डालने का पाकिस्तान का यह प्रयास अस्वीकार्य है। भारतीय सेना दुश्मन के मंसूबों को नाकाम कर देगी।

भारतीय सेना ने जम्मू के निकट पाकिस्तानी चौकियों और आतंकवादी लॉन्च पैडों को नष्ट कर दिया, जिनमें ट्यूब-लॉन्च ड्रोन लॉन्च करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्थल भी शामिल हैं। सेना ने इसका वीडियो जारी करके इसकी पुष्टि की है। जम्मू एवं कश्मीर के उरी में पाकिस्तानी गोलाबारी में मकान और संपत्तियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं, ये गोलाबारी नागरिक इलाकों को निशाना बनाकर की जा रही है। भारत ने कश्मीर घाटी में श्रीनगर-बडगाम-बारामुला के आसपास एक भयंकर हवाई लड़ाई के दौरान 2 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया है, जिसकी पुष्टि होना बाकी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और सीआरपीएफ के खोज दल पायलटों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

व्यापार

भारत-पाक तनाव के बीच वित्त मंत्री की हाई-लेवल बैठक, दिए बड़े निर्देश

बिजनेस डेस्क: भारत-पाक के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शुक्रवार को बैंकों, बीमा कंपनियों और रेगुलेटर्स के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में उन्होंने साइबर सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश दिए, जिसमें बैंकों को अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा पुख्ता करने और डेटा सेंटरों का नियमित ऑडिट कराने को कहा गया।

भारतीय सेना की हालिया कार्रवाई से तिलमिलाया पाकिस्तान साइबर हमले का सहारा ले सकता है। इसी आशंका को ध्यान में रखते हुए यह उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई थी। बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों को निर्देश दिए कि वे दो वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति करें- एक अधिकारी साइबर सुरक्षा मामलों की निगरानी और रिपोर्टिंग करेगा, जबकि दूसरा बैंक के सुचारू संचालन और एटीएम में कैश फ्लो की निरंतरता सुनिश्चित करेगा। किसी भी साइबर घटना की सूचना भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम , भारतीय रिजर्व बैंक और वित्तीय सेवा विभाग को तत्काल दी जानी होगी।

आर्थिक स्थिरता के लिए सतर्कता जरूरी- वित्त मंत्री

भारत-पाक तनाव के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिए कि वे किसी भी आपात स्थिति या संकट का सामना करने के लिए पूरी तरह से सतर्क और तैयार रहें। खासतौर पर सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों और व्यवसायों को बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

पाकिस्तान की साइबर हमले की साजिश, CERT-In ने किया अलर्ट

भारतीय सेना के सख्त रुख से घबराया पाकिस्तान अब साइबर हमलों के माध्यम से भारत को निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है।

भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम ने आगाह किया है कि पाकिस्तान की ओर से भारतीय बैंकों, निजी कंपनियों और सरकारी वेबसाइटों पर साइबर हमलों की आशंका है। इस खतरे को देखते हुए सभी संबंधित संस्थानों को सतर्क कर दिया गया है और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्विगी का एकीकृत शुद्ध घाटा मार्च तिमाही में बढ़कर 1,081.18 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली: खाद्य वितरण एवं त्वरित वाणिय मंच स्विगी का एकीकृत शुद्ध घाटा वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में लगभग दोगुना होकर 1,081.18 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में 554.77 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। स्विगी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च में उसकी परिचालन आय बढ़कर 4,410 करोड़ रुपए हो गई, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 3,045.5 करोड़ रुपए थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 5,609.6 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक वर्ष पहले की इसी अवधि में यह 3,668 करोड़ रुपए था। स्विगी ने कहा कि उसके खाद्य वितरण कारोबार का सकल ऑर्डर मूल्य (जीओवी) अनुमान के अनुरूप 17.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,347 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, मार्च तिमाही में स्विगी इंस्टामार्ट का औसत ऑर्डर मूल्य 13.3 प्रतिशत बढ़कर 527 रुपये हो गया।

स्विगी के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीहर्ष मजेटी ने कहा, क्विक-कॉमर्स (त्वरित-वाणिय) तेजी से विस्तार और बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा के दौर में है, जिसके लिए हमने बाजार विस्तार (मेगापोड्स), पहुंच (124 शहरों में 1,000 से अधिक स्टोर) और विभेदीकरण (मैक्ससेवर) के उद्देश्य से निवेश बढ़ाया है। हमारा 'आउट ऑफ होम कंजम्पशन व्यवसाय केवल शुरुआती दो वर्ष के भीतर इस चौथी तिमाही में लाभ में आ गया।

कुल मिलाकर, हम उपभोक्ताओं को बेजोड़ सुविधा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569